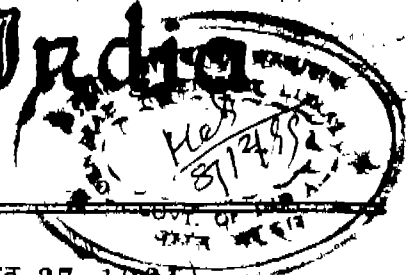




# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 38] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 18, 1999 (भाद्रपद 27, 1921)  
No. 38] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 18, 1999 (BHADRA 27, 1921)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

सरकारी और बैंक लेखा विभाग

मुंबई, दिनांक 18 सितम्बर, 1999

भारत सरकार के राजपत्र में 20 अप्रैल, 1949 को प्रकाशित तथा 29 अप्रैल, 1954 की अधिसूचना सं० ए०(8)70/बी 6 और भारत सरकार के विनॉक 21 करधरी, 1990 के असाधारण राजपत्र सं० 67 के अंतर्गत तथा पंजीकृत लोक ऋण अधिनियम 1944 की धारा 28 अंतर्गत भारत सरकार द्वारा बन ए गए नियमों के नियम 18 के अनुकरण जून 1, 1999 को सम्पन्न माह के लिए निम्नलिखित सूची जो गई आदि ऐसी प्रतिभूतियों के बारे में एाद्वारा विज्ञापित की जाती है, जिसके संबंध में इस बात का विवाद करने के लिए प्रयत्न किया आधार मौजूद है कि प्रतिभूतियां खो गयी है और आवेदकों का दावा न्यायोचित है। नीचे निम्न गये संबंधित दावेदारों के द्वारा यही व्यक्त किया प्रतिभूतियों पर किसी प्रकार का दावा हो, तत्काल मुख्य लेखाकार, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, सरकारी और बैंक लेखा विभाग, केन्द्रीय ऋण प्रभाग, मुंबई को सूचित करें।

सूची दो भागों में विभाजित की गई है। भाग 'क' में अभी पहली बार विज्ञापित प्रतिभूतियां शामिल की गई हैं और भाग 'ख' में पूर्व विज्ञापित प्रतिभूतियों की सूची दी गई है।

## सूची "क"

प्रतिभूतियों की संख्या	मूल्य	जिस व्यक्ति के नाम जारी किया	बकाया ब्याज की तिथि	प्रतिभूति के भुगतान के लिए दावेदार का नाम	प्रतिलिपि आदेश तिथि तथा संख्या
1	2	3	4	5	6

## स्वर्ण बांड 1998 (मुंबई ईसर्कल)

बी.आई./एस.जे.ओ/ 000054	1013 ग्राम स्वर्ण	रमण चौधरी और चंदन राम चौधरी	अवधि समाप्ति पर 22-4-1993 (अवधि समाप्ति पर देय)	रमण चौधरी और चंदन राम चौधरी	मामला सं० 20.04.2122 महा प्रबंधक के दि० 13-7-99 के आदेश तथा केन्द्रीय कार्यालय डायरी सं० 33 दिनांक 13-7-99
------------------------	-------------------	-----------------------------	---	-----------------------------	--

## % राहत बांड 1987 (भायखला सर्कल)

बीसी 2946 से बीसी 2955	रु० 5000/- (प्रत्येक)	अरुण परमानंददास गोराडीया	3-3-88	अरुण परमानंददास गोराडीया	06.05.04 दिनांक 9-8-99
------------------------	-----------------------	--------------------------	--------	--------------------------	------------------------

## सूची "ख"

प्रतिभूतियों की सं०	मूल्य	जिस व्यक्ति के नाम जारी किया	बकाया ब्याज की तिथि	प्रतिभूति के भुगतान के लिए दावेदार का नाम	प्रतिलिपि आदेश तिथि तथा संख्या
1	2	3	4	5	6

## 10% राहत बांड 1995 (नई दिल्ली)

डीएच 003417 (जी०पी०एम०सी०)	रु० 44,000/-	बुद्धादेव चक्रवर्ती	—	बुद्धादेव चक्रवर्ती	पीडीओ डेट एल एन 3/98 दिनांक 9-6-99
डीएच 007061 (जी०पी०सी०)	रु० 15,00,000/-	मनीष मेहरा एवं विनय मेहरा	—	मनीष मेहरा एवं विनय मेहरा	पीडी ओ/टी/एल एन/99 दिनांक 9-6-99

## 10% राहत बांड 1993

डीएच 000457	रु० 4,00,000/-	सतीश कुमार बंसल	—	सतीश कुमार बंसल एवं किरण बंसल	पी डी ओ/टी/ एलएन/3/99 दिनांक 9-6-99
-------------	----------------	-----------------	---	-------------------------------	-------------------------------------

## स्वर्ण बांड 1998 (मुम्बई सर्किल)

बीआई/एस सी जी/000010	1053 ग्राम स्वर्ण	श्री राजेश गुलाटी	22-4-1993 (अवधि समाप्ति पर देय)	श्री राजेश गुलाटी	मामला सं० 20.04.2123 महा प्रबंधक के दि० 14-05-99 के आदेश तथा केन्द्रीय कार्यालय डायरी सं० 856 दिनांक 15-5-1999
----------------------	-------------------	-------------------	---------------------------------	-------------------	--

1	2	3	4	5	6
10% राहत बांड 1995 (असंचयी) (कानपुर सकिल)					
केएन-001971	2,00,000/-	ब्रज मोहन गुप्ता तथा इन्दरा गुप्ता एक अथवा उत्तरजीवी	17-99 से छमाही ब्याज देय	ब्रज मोहन गुप्ता इन्दरा गुप्ता एक अथवा उत्तरजीवी	आई आर 1618/69 दिनांक 31-5-99 (फाईल नं० 09.12.270)
केएन-001952	1,00,000/-	रामचन्द्र अग्रवाल तथा उषारानी अग्रवाल एक अथवा उत्तरजीवी	--तदेव--	रामचन्द्र अग्रवाल तथा उषारानी अग्रवाल एक अथवा उत्तरजीवी	--तदेव--
केएन-001953	35,000/-	हरपाल नायर तथा इन्दू नायर	--तदेव--	हरपाल नायर तथा इन्दू नायर	--तदेव--
केएन-001954	40,000/-	इन्दू नायर तथा हरपाल नायर	--तदेव--	इन्दू नायर तथा हरपाल नायर	--तदेव--
केएन-001955	50,000/-	विजया शीला तथा जे० पी० जायसवाल एक अथवा उत्तरजीवी	--तदेव--	विजया शीला तथा जे० पी० जायसवाल एक अथवा उत्तरजीवी	--तदेव--
केएन-001961	2,00,000/-	महेश चन्द्र गुप्ता तथा पुष्पा बेबी एक अथवा उत्तरजीवी	--तदेव--	महेश चन्द्र गुप्ता तथा पुष्पा बेबी एक अथवा उत्तरजीवी	--तदेव--

श्रीमती एन० ए० आहूते  
कृते मुख्य महा प्रबंधक

### बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग

मुम्बई-400005, दिनांक 28 अगस्त 1999

सं० आइवीएस 571/23.13.086/99-2000--बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 36ए की उपधारा (2) के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक इसके द्वारा अधिसूचित करता है कि उक्त अधिनियम के अर्थ के अंतर्गत हनिल बैंक अब बैंकिंग कंपनी नहीं रहा।

जी० पी० मुनियप्पन  
कार्यपालक निदेशक

सं० आइवीएस 572/23.13.086/99-2000--भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 42 की उपधारा (6) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक इसके द्वारा निवेश देता है कि उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची से निम्नलिखित का नाम निकाल दिया जाए।

“हनिल बैंक”।

जी० पी० मुनियप्पन  
कार्यपालक निदेशक

## भारतीय स्टेट बैंक

## केन्द्रीय कार्यालय

मुम्बई-400 021, दिनांक 8 सितम्बर 1999

## सूचना

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (ग) के अन्तर्गत केन्द्रीय बोर्ड में निवेशकों के दो श्रेष्ठ स्थायी के लिए चुनाव लेखने वाले बैंक रूप में नामित उम्मीदवारों के नाम एवं पते सम्बन्धित करते हुए, दिनांक 25 अगस्त 1999 को जारी सूचना के संदर्भ में, एतद्वारा सूचित किया जाता है कि दिनांक 8 सितम्बर 1999 को सुदीपनी क्षत्रीय भगवत, सुदीपनी क्षत्रीय भगवत, मार्ग, दादर, मुम्बई-400 028 (महाराष्ट्र), में भारत के शेयरधारकों की साधारण सभा में हुए चुनाव में निम्नलिखित उम्मीदवारों को बैंक के केन्द्रीय बोर्ड में निवेशकों के रूप में विधिवत् निर्वाचित घोषित किया गया है :—

1. श्री पृथ्वीराज खन्ना,  
70, सुन्वर नगर,  
नई दिल्ली-110 003 ।

2. डा. एम. रमणी,  
19 बं. न्यू, न्यू बीच रोड,  
फिल्मानमियूर,  
चेन्नई-600 041 ।

वी. जानकीराम  
प्रबन्ध निदेशक एवं  
समूह कार्यपालक  
(कारपोरेट बैंकिंग)

## कार्पोरेशन बैंक

(भारत सरकार का उपक्रम)

मंगलाद्वी मंदिर मार्ग

प्रधान कार्यालय

मुम्बई-575 001, दिनांक 06 जुलाई 1999

सं. का.प्र. : अंश : अंश संशोधन : 191 : 99 : 2000—  
बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अंश और संग्रहण) अधिनियम  
1980 (1980 का 40) की धारा 12 (2) के  
साथ पठित धारा 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए,  
कार्पोरेशन बैंक का निदेशक यंत्रण, भारतीय रिज़र्व बैंक के  
परामर्श तथा केन्द्रीय सरकार की पूर्ण स्वीकृति से कार्पोरेशन बैंक  
(अधिकारी) सेवा विनियम, 1982 को संशोधित करने हेतु निम्न  
विनियम बनाता है ।

## 1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ

(1) ये विनियम कार्पोरेशन बैंक (अधिकारी) सेवा (संशोधन)  
विनियम, 1999 कहलायेंगे ।

(2) इन विनियमों के संबंध में जब तक अन्यथा प्रावधान न  
किया गया हो, वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तिथि से प्रभावी  
होंगे ।

## 2. कार्पोरेशन बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम, 1982 में

(क) विनियम 12 में, उप विनियम (3) के उपरान्त निम्न  
विनियम सम्मिलित किये जाएंगे, अर्थात् :—

## (4) बोर्ड भी अधिकारी, —

(क) जिसने उप विनियम (1) में संदर्भित विकल्प का  
प्रयोग किया, और

(ख) जो फरवरी 1993 के प्रथम दिवस के उपरान्त भी  
नियत तारीख के तत्काल पूर्व अपनी पात्रता के अनुसार  
वैतन तथा भत्ते प्राप्त कर रहा है, और

(ग) जो अप्रैल 1997 के प्रथम दिवस को या उसके बाद  
वर्ष का निश्चित सेवा में जारी रहता है,

को अप्रैल 1997 के प्रथम दिवस को और उस दिन से, इन  
विनियमों के अनुसार लागू वेतन तथा भत्ते के चुनने के विकल्प  
हेतु अनुमति होगी; इस विकल्प के प्रयोग के बाद उसके वेतन का  
निश्चित इस प्रकार होगा, कि विनियमन 4(2) के अनुसार तय  
वेतन, उस पर 1-4-1997 को दिये संग्रह भत्ते संशोधन 31-3-  
1997 को उप-विनियम (2) के अनुसार उसकी वर्तमान तनखाह  
(अर्थात् वेतन तथा भत्ते) के सबसे समीप हो ।

(ख) विनियम 23 में,

(1) उप विनियम (3), के बाद निम्न उपबंध शामिल किये  
जायेंगे, अर्थात् :—

परन्तु, अप्रैल 1997 के प्रथम दिवस को और उस दिवस  
से उप विनियम के प्रावधानों के प्रभावस्वरूप अक्षर, अंक  
और शब्द "रु. 40 प्र. मा. या रु. 25 प्र. मा. अक्षर,  
अंक और शब्द"

रु. 125 प्र. मा. या रु. 100 प्र. मा. द्वारा  
क्रमशः मानो प्रतिस्थापित किये गये हों ।

(2) उप विनियम (4) के उपरान्त निम्न उपबंध शामिल किये  
जायेंगे, अर्थात् :—

परन्तु, अप्रैल 1997 के प्रथम दिवस को और उस दिवस  
से इस उप विनियम के प्रावधानों के प्रभावस्वरूप अक्षर और अंक  
"रु. 150 प्र. मा." अक्षर, अंक और शब्द रु. 300  
प्र. मा. द्वारा मानो प्रतिस्थापित किये गये हों ।

(3) उप विनियम (5) में द्वितीय उपबंध के उपरान्त, निम्न  
उपबंध शामिल किए जाएंगे, अर्थात् :—

परन्तु, अप्रैल 1997 के प्रथम दिवस को और उस दिवस  
से इस विनियम के प्रावधानों के प्रभावस्वरूप अक्षर और अंक  
मानो;

(क) अक्षर तथा अंक "रु. 700" अक्षर तथा अंक  
"रु. 1000" द्वारा प्रतिस्थापित किये गये हों,

(ख) प्रथम तथा द्वितीय दोनों उपबंधों में आनेवाले अक्षर  
तथा अंक "रु. 350" अक्षर तथा अंक "रु.  
500" द्वारा क्रमशः प्रतिस्थापित किये गये हों;

(4) उप विनियम (7) के साथ निम्न उपबंध शामिल किये  
जायेंगे, अर्थात् :—

परन्तु, वित्तीय वर्ष 1997-98 को और उस वर्ष से,  
उप-विनियम के प्रावधानों के प्रभावस्वरूप अक्षर और अंक  
"रु. 150" अक्षर और अंक "रु. 250" द्वारा  
प्रतिस्थापित किये गये हों; ।

(5)- उप विनियम (8) के बाद निम्न उपबंध जोड़े जाएंगे, अर्थात्

परन्तु, 'अप्रैल 1997 के प्रथम दिवस को और उस दिवस से इस उप-विनियम के प्राधान्य या प्रभावी होने वाले अक्षर और अंक "रु. 35 प्र. मा. अक्षर, शब्द तथा अंक रु. 70 प्र. मा." द्वारा प्रतिस्थापित किये गये हों,

(ग) विनियम 32 में उप विनियम (2) के बाद, निम्न उपबंध शामिल किये जाएंगे, अर्थात् :-

परन्तु, वर्ष 1997 या इसके उत्तरवर्ती वर्षों में न ली गई आर्थिक छूटों सामान्य लीग वर्षों में दीयारी छूटों के पहले या बाद में जोड़ी जा सकती।

(ब) विनियम 42 में, -

(1) उप विनियम 2 (1) में, शब्द और अंक "1-7-1993 को और से" शब्द और अंक "1-7-1993 को और से, किन्तु 1-4-1997 के पूर्व" द्वारा प्रतिस्थापित किये जाएंगे,

(2) उप-विनियम 2 (1) के बाद निम्न उप विनियम शामिल किये जाएंगे, अर्थात् :-

"2 (1) (क) अप्रैल 1997 के प्रथम दिवस को और उस दिवस में, स्थानांतरण पर एक अधिकारी को मालगाड़ी से अपने नामान के परिवहन हेतु निम्न सीमाओं तक व्ययों की प्रतिपूर्ति की जाएगी :

वैतन सीमा	परिवार के सदस्यों	परिवार रहित अधिकारी
रु० 4250 प्रति माह से रु० 6210 प्रति माह और उससे अधिक रु० 6211 प्रति माह और उससे अधिक	3000 कि० ग्रा०    पूरा माल डिब्बा	1500 कि० ग्रा०    2500 कि० ग्रा०

(3) उप नियम (3) में, शब्दों तथा अंकों "1-1-1987 को और से" को शब्दों और अंकों "1-1-1987 को और से किन्तु 1-4-1997 से पूर्व" द्वारा प्रतिस्थापित होगा;

(4) उप विनियम (3) के बाद निम्न उप विनियम शामिल किये जाएंगे :-

3(क) "अप्रैल 1997 के प्रथम दिवस को और उस दिवस से एक स्थानांतरित अधिकारी के लिए, स्थानीय परिवहन, सामान के बीमा आदि हेतु निम्नानुसार एक-मुद्रत राशि का प्राव होगा :-

श्रेणी	एकमुद्रत राशि
वरिष्ठ प्रबंधन और सर्वोच्च कार्यपालक	रु० 5000
मध्यम एवं कनिष्ठ प्रबंधन	रु० 4000"

फूट नोट : उपरोक्त विनियमों में पहले हुए संशोधन, राजपत्र में अधिसूचनाओं में, अन्य तथा तिथियां अन्य के तहत प्रकाशित हुए थे।

एच. डी. कामथ  
उप महा-प्रबंधक  
कार्मिक प्रशासन प्रभाग

### कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक

सं० एन-15/13/1/7/98-यो० एवं वि० (2)--कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 46 (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों के अनुसरण में महा-निवेशक ने 01 अगस्त, 1999 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम-95-क तथा आन्ध्र प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1955 में निर्दिष्ट बिकस्ता हितलाभ आन्ध्र प्रदेश राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जाएंगे, अर्थात् :-

निम्न क्षेत्रों की सीमाओं के अन्तर्गत आने वाले सभी क्षेत्र :-

1. राजस्व ग्राम एलूरु, ब्लाक-1, ब्लाक-2, ब्लाक-3 एवं वैकस्ट पुरम पंचायत में आने वाले राजस्व ग्राम मादेपल्ली, छत्तापारु, जलीपूडी एवं मल्का पुरम।
2. पेडाबेगी मण्डल में आने वाले राजस्व ग्राम वनगुरु।
3. पश्चिम गोदावरी जिले के पेडापाडू मण्डल के अन्तर्गत राजस्व ग्राम देन्वलूर।

जी० एल० कपूर  
निदेशक (यो० एवं वि०)

## कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

(केन्द्रीय कार्यालय)

नई दिल्ली-66, दिनांक 23 अगस्त 1999

सं. 2/1959/डी. एल. आर्ह./एकजम/89/भाग-4/2980  
—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन दिया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

श्रीक केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की

अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निधेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को अधि-सूचना सं. तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के मंचानन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

## अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट समाप्ति तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के०ध०नि०आ० की फाईल सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० दि साऊथ कैनारा, जिला सेंटर कोप० बैंक लि०, पी० बी० नं०-721, मंगलौर-575003	के एन/ 2814	2/1959/डीएलआर्ह/एकजम/89पीटी-1 दिनांक 3-7-97	31-3-96	1-4-96 से 31-3-99	2/4657/92/ डीएलआर्ह
2.	मै० मनिपाल प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स लि०, मनिपाल, जिला उड्डीपी, मंगलौर	के एन / 4682	-वही-	31-3-99	1-4-99 से 31-3-2002	2/4658/92
3.	मै० वि मंगलौर क्रेडिटल कोप० बैंक, लाइट हाउस, हिल मार्ग, हमपे नकट्टा, मंगलौर-575001 तथा शाखाएं	के एन/ 6480	-वही-	30-1-95	31-1-95 से 30-1-98 31-1-98 से 30-1-2001	2/1317/85
4.	मै० कस्तूरबा मेडिकल कालेज मनिपाल-576119	के एन/ 8810	16-11-98	31-3-99	1-4-99 से 31-3-2002	2/4661/92
5.	मै० लमिना फाउन्ड्री प्रि०, पोस्ट निट्टी, करकाला-574110	के एन/ 12084	16-11-98	31-3-99	1-4-99 से 31-3-2002	2/4662/92
6.	मै० मनमिट इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स प्रा० लि०, इन्डस्ट्रियल एस्टेट, रामकमपाडी, न्यू बेंगलौर-575011	के एन / 12583	4-3-97	28-2-99	1-3-99 से 28-2-2002	6/28/96 डीएसआर्ह
7.	मै० मनिपाल इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, मनिपाल-576119	के एन/ 8208	15-12-97	31-3-99	1-4-99 से 31-3-2002	2/4660/ डीएसआर्ह/ 92/केएन

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसा लेखा-जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी राशिदान प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुसूचित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, सब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वृत्त-संख्या की भागा में उसकी मूणा वार्ता का अनुवाद स्थापना के मुख्या-गट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्त में संदेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में वंशों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो तब क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का अधिकार अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम जिसको स्थापना

पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गए व्ययक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि का संदाय तत्पराता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर निश्चित करेगा।

ए. के. जैन  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी.एल.आई./भाग-1/एकजम/89/2993—  
जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात में संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधेय सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसको साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, शिमला ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

## अनुसूची-1

क्र०सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के०म०नि० आ०फा०नं०
1.	मै० जी०ए०बी० पब्लिक स्कूल कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश	एच०पी०/11820	1-1-97 से 31-12-99	17/7/99/डीएलआई
2.	मै० पोन्टा टायर सोल्स, रामपुर घाट, पोन्टा साहिब, हिमाचल प्रदेश	एच०पी०/18124	1-2-97 से 31-1-2000	17/5/99

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसमें इसके परधान नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणीय योजना और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निरीक्षण करे।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निवेदन करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रतिलिपि और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रतिलिपि तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसका स्थापना से निर्दिष्ट किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को भेज देगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का अल्पसंख्यक बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लोगों में सामूहिक रूप से वित्तित किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों को किए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लोगों में अधिक अन्तर्गत हों जो उक्त स्कीम के अधीन अन्तर्गत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्त में संबंध हों तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधि वारिस/गाम निवेदितों को प्रतिभार के रूप में बर्तनी राशियों को बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के संबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत व्यवहार करेगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो स्कीम रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जिसे बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पोलिसी का व्ययगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यतिक्रम की वृत्त में उन सब सदस्यों के नाम निर्दिष्टित या विधिक वारिसों या यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने वाले लोगों को संदाय या उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार लाभ निवेदितों/विधिक वारिसों को वित्तित राशि का संदाय तत्पश्चात् में और प्रत्येक दश में भारतीय जीवन बीमा निगम में योगदान राशि प्राप्त होने के पश्चात् में किया जाना करेगा।

ए. के. जैन

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त



सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/3001—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित शिथिलताओं से (जिसे इसमें इस प्रकार उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपग्रन्थ अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसको पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

चूंकि केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना को कर्मचारी एंटी अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे

हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी रिश्ते सहाय्य धीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है जिसे इसके पश्चात् स्वीकृत कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदान शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त से प्रत्येक के सामने उल्लिखित विछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, दिल्ली ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत छूट प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम को संचालन की छूट प्रदान कर दी गई है ।

#### अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के०भ०नि० आ०फा० नं०
1.	मै० रिलैक्सो रबड़ लि०, 308/8, शाजादा बाग, पुराना रोहतक रोड, दिल्ली-35 ।	डी०एल०/249	1-11-92 से 31-10-95 1-11-95 से 31-10-98	3/102/99/डीएलआई
2.	मै० रिलैक्सो रबड़, एच-42, उद्योग नगर, रोहतक रोड, दिल्ली-41 ।	डी०एल०/4604	1-11-92 से 31-10-95 1-11-95 से 31-10-98	3/103/99
3.	मै० इनडेग रबड़ लि०, खेमका हाऊस, 11, कम्यूनिटी सेंटर, साकेत, नई दिल्ली-17 ।	डी०एल०/7267	1-2-91 से 31-1-94 1-2-94 से 31-1-97 1-2-97 से 31-1-2000	3/104/99
4.	मै० स्टैण्डर्ड स्पलायर्स प्रा० लि०, डब्ल्यू-37, ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया, फेज-2, नई दिल्ली-20 ।	डी०एल०/7924	1-10-94 से 30-9-97 1-10-97 से 30-9-2000	3/106/99

#### अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सरकारी क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजना और लेखा रखना तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करना जो केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

2. नियोजक ऐसे नियोजक बनने का प्रयोग प्राप्त की सहायता के 15 दिन के भीतर संवाद करने का केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) के खण्ड के अंतर्गत समय-समय पर निर्देश करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अस्तित्व-लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संग्रह, लेखाओं का प्रस्तुत, निरीक्षण प्रभावी का प्रयोग आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का उक्त नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और उसकी उपायों संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन को प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या के अनुसार को उनकी उक्त कार्य का प्रयोग के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसका स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संघत करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम को अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसने कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबंध लाभों में अधिक अनकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुश्रेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात को होने का भी यदि किसी धर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबन्ध राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय हो तो जब यह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में राशि राशि के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और उक्त निधी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर पर्याप्त प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का अधिकृत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले ही अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि में कम हो जाए तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जो बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को अग्रस्त होने दिया जाता है तो यह रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यतिक्रम की वशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत हाते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

ए. के. जैन  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई. भाग-1/3011—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है, जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात में संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवयवी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं और चूंकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निशेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनकूल है (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित निम्नी तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, हरियाणा ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत छील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संवादन की छूट प्रदान कर दी है।

#### अनुसूची—1

क्र०सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1.	मै० हिन्दुस्तान बैक्यम ग्लाम लि०, 64-ए, इन्डस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद।	एच० आर०/508	1-7-93 से 30-6-96	5/9/99/डी० एल० आई०
2.	मै० ग्र्याम एन्टीना इलेक्ट्रॉनिक्स लि०, ए-60, नारोजीस इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस-1, गुडगावां।	एच० आर०/7857	1-9-95 से 31-8-98	5/10/99
3.	मै० दि फरीदाबाद सैन्ट्रल को० ओप० बैंक लि०, प्लॉट नं० 52, 53, एन० आई० टी०, फरीदाबाद।	एच० आर०/1854	1-5-93 से 30-4-96	5/11/99

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजना और ऐसा लेखा-जोखा रखना तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सूविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करे।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी को प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय जारी भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रतिलिपि और जब कभी उममें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रतिलिपि तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसका स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को भुगत करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस बहा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को वैधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना विचारण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम को, जिस स्कीम पहले ही अपना चुकी है, आधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के आधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में अक्षम रह जाता है और पोलिसी को वापस होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के लिए किए गए व्यतिक्रम की दशा में उन मृत दशकों के नाम निबन्धित या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने वाले बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

ए. के. जैन  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डो एल. आई./भाग-1/3020—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

क्षेत्रीय केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवधारणा किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधि सहवर्धन बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संगत अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, शिमला ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत विलीन प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संभालन की छूट प्रदान कर दी है।

## अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1	2	3	4	5
1.	मै० बारबर् बर्धमान थेडम लि०, माई रोड, बाडो, तह० नालागढ़, जिला सोलन (हि० प्र०) - 173205।	एच० पी०/11989	1-3-96 से 28-2-99	17/2/99/डी०एल०आई०
2.	मै० धर्मपाल सत्यपाल लि०, बाडो रोड, बरोती बाला, सोलन, हिमाचल प्रदेश।	एच० पी०/11993	1-3-96 से 28-2-99	17/3/99
3.	मै० पांडुर एण्ड बेल (इंडिया) लि०, 31-32, इण्डस्ट्रियल एरिया बरी नयावा, सोलन।	एच० पी०/18256	1-10-98 से 30-9-2001	17/4/99

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजना और लेखा रखना तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो क्षेत्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का दाय-आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, क्षेत्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम भेजना करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए

सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवाय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधिक वारिसों/नाम निर्वाचितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हों जायें तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संवाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्वाचितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्धारित/विधिवत वारिसों को बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक वषा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रत्येक वषा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

ए. के. जैन  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

मं. 2/1959/डी.एल.आई./एकजम/89/भाग-2/3029—  
जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इससे पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहस्रवृष बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अन्तर्गत है जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को अधिसूचना सं. तथा तिथि और प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन में प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

#### अनुसूची—1

क्र.सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट समाप्ति की तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के० भ० नि० आ० की फाइल
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० केशन कॉर्पोरेशन आफ इंडिया लि०, 6, मौरोजी बल्लभदास मार्ग, बर्लीट स्टेट, मुम्बई-400001।	एम०एच०/4037	2/1959/डीएलआई/एकजम/89/पीटी 24-8-93	28-2-96	1-3-96 से 28-2-99 से 28-2-2002	2/813/93 डी०एच०आई०
2.	मै० गल्फ गोवा होटल क० लि०, हरिटेस, गोराखवदो कलनगुड बर्डस, गोवा-403001।	एम०एच०/10316	13-8-97	30-11-96	1-12-96 से 31-11-99	2/76/95
3.	मै० तुलिप डाइमनोमेटिक्स प्रा० लि०, मोताजली तुलिप ब्लॉक डा० अन्टोमिया ड्रो रेगो बाग आल्टों शान्ता कूज, बम्बोलिम, गोवा।	एम०एच०/10353	4-2-99	31-7-98	1-8-98 से 31-7-2001	9/21/98
4.	मै० पेरोन लि०, 301, उद्योग मन्दिर न० 1, भागोजी कियर मार्ग, महिम, मुम्बई-16, तथा शाखा।	एम०एच०/12475	5-1-98	31-3-96	1-4-96 से 31-3-99	2/2120/89
5.	मै० हिन्दूस्तान डायमण्ड क० लि०, अठलागुटा, 15वीं मंजिल, नरिमान पॉइन्ट, मुम्बई-400021.	एम०एच०/21088	4-3-94	29-2-96	1-3-96 से 28-2-99	2/3845/91

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसमें इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी दिवराणियां भेजेगा और ऐसा लेना रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निरीक्षण करे।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के अन्तर्गत के अधीन समय-समय पर निरीक्षण करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आवे भी है होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवस्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय

राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्त में संदाय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के अधिक वारिस/नाम निर्देशितों का प्रतिकार के रूप में वही राशियां के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का योज्यव्यक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो उद्ब की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी के क्षयपगत होने बिना जाता है तो छूट उद्ब की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्ययितक्रम की वृत्त में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या अधिक वारिसों को यदि यह छूट दो गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/अधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वृत्त में, भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

ए. के. जैन

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

भारतीय यूनिट ट्रस्ट, मुंबई  
गुडि-पत्र

मासिक आय प्लान-1999

क्र.सं०	पृष्ठ सं०	स्तम्भ सं०	मद सं०	सुधार
1	2	3	4	5
1	1920	1		35वीं पंक्ति में शब्द 'हेतू' को शब्द 'हेतु' से सुधारें।
2	1920	2		26वीं पंक्ति में शब्द 'संवृद्धि' को शब्द 'संवृद्धि' से सुधारें।
3	1921	1		10वीं पंक्ति में शब्द 'आबंटित' को शब्द 'आबंटित' से सुधारें।
4	1921	1		18वीं पंक्ति में शब्द 'आबंटित' को शब्द 'आबंटित' से सुधारें।
5	1921	2		4थी पंक्ति में शब्द 'अंतर्गत' को शब्द 'अंतर्गत' से सुधारें।

1	2	3	4	5
6	1921	2		8वीं पंक्ति में शब्द 'परिभाषाएं' को शब्द 'परिभाषाएँ' से सुधारें।
7	1921	2		37वीं पंक्ति में शब्द 'सूचीबद्धता' को शब्द 'सूचीबद्धता' से सुधारें।
8	1921	2		38वीं पंक्ति में शब्द 'सूचीबद्धता' को शब्द 'सूचीबद्धता' से सुधारें।
9	1921	2		43वीं पंक्ति में शब्द 'आवंटित' को शब्द 'आवंटित' से सुधारें।
10	1921	2		48वीं पंक्ति में शब्द मूल और अतिवासियों के बीच अक्षर 'के' लिखें।
11	1922	1		6ठी पंक्ति में शब्द 'मातापक्ष' को शब्द 'मातृपक्ष' से सुधारें।
12	1922	1		33वीं पंक्ति में शब्द 'अन्तर्गत' को शब्द 'अन्तर्गत' से सुधारें।
13	1922	1	द	मद सं० द इस तरह से सुधारें 'ट्रेडिंग का तात्पर्य यूनिटों के पहले आवंटित के बाद राष्ट्रीय शेयर बाजार (एनएसई) के थोक ऋण खंड के जरिए यूनिटों के खरीद अथवा बिक्री में व्यवहार से है।'
14				
15	1923	2	4(iv)	38वीं पंक्ति में शब्द 'स्वत्वधिकर' को शब्द 'स्वत्वाधिकार' से सुधारें।
16	1924	1	5	3री पंक्ति में शब्द 'उद्देश्यों' को शब्द 'उद्देश्यों' से सुधारें।
17	1924	1	7	28वीं पंक्ति में शब्द 'दाय' को शब्द 'देय' से सुधारें।
18	1924	1	7	30वीं पंक्ति में शब्द 'करने की' और 'बिक्री बंद' के बीच शब्द 'स्थिति में यूनिटों की' लिखें।
19	1924	2	9	दूसरी पंक्ति में शब्द 'हालांकि' को शब्द 'हालांकि' से सुधारें।
20	1924	2	9	4थी पंक्ति में शब्द 'सूचन' को शब्द 'सूचना' से सुधारें।
21	1924	2	9	5वीं पंक्ति में शब्द 'चयना' को शब्द 'चयन' से सुधारें।
22	1924	2	9	6ठी पंक्ति में शब्द 'सामायातया' को शब्द 'सामान्यतया' से सुधारें।
23	1924	2	10	20वीं पंक्ति में शब्द 'अंतरणीय गिरवी' को शब्द 'अंतरणीय/गिरवी' से सुधारें।
24	1924	2	10(ii)	29वीं पंक्ति में शब्द 'अन्यता' को शब्द 'मान्यता' से सुधारें।
25	1924	2	10(iii)	33 वीं पंक्ति में शब्द 'मासिक आय विकल्प के मामले में' को ब्रैकेट में लिखें।
26	1925	2		8वीं पंक्ति में शब्द 'रोल ओवर' को शब्द 'रोल-ओवर' से सुधारें।
27	1926	1	(viii)	37वीं पंक्ति में शब्द '(स्यूचुअलफंड)' को '(स्यूचुअल फंड)' से सुधारें।
28	1926	2	(xi)	10वीं पंक्ति में शब्द 'श्रोत' को शब्द 'स्त्रोत' से सुधारें।
29	1927	1	(ii)	30वीं पंक्ति में शब्द 'एमईपी-99' को शब्द 'एमईपी-98' से सुधारें।
32	1928	1	ड	19वीं पंक्ति में शब्द 'वष' को शब्द 'वर्ष' से सुधारें।
33	1928	1	(vli)	33वीं पंक्ति में शब्द 'फर्म निगमित' को शब्द 'फर्म/निगमित' से सुधारें।
34	1928	1	(i)	41वीं पंक्ति में शब्द 'यूनिट/प्रमाणपत्र' को शब्द 'यूनिट प्रमाण पत्र' से सुधारें।
35	1929	1		11वीं पंक्ति में शब्द 'आर०ओ०' से पहले शब्द 'जहां एम०' लिखें।
36	1929	1	3 (ii)	36वीं पंक्ति में शब्द 'व्यस्क' को शब्द 'व्यस्क' से सुधारें।
37	1929	2	3 (v)	20वीं पंक्ति में शब्द 'प्रमाण-पत्र' को शब्द 'प्रमाणपत्र' से सुधारें।
38	1930	1		10वीं पंक्ति में शब्द 'प्रमाण-पत्र' को शब्द 'प्रमाणपत्र' से सुधारें।
39	1930	2	vii(1)	40वीं पंक्ति में अन्तर्गत और पहले के बीच 'बनाए पदान के अन्तर्गत' लिखें।
40	1931	3		8वीं पंक्ति में शब्द 'अतिरिक्त' को शब्द 'अतिरिक्त' से सुधारें।
41	1931	1	2	19वीं पंक्ति में शब्द 'साद' को शब्द 'सादे' से सुधारें।

1	2	3	4	5
42	1931	1	2	24वीं पंक्ति में शब्द 'द्वारा' को शब्द 'द्वारा' से सुधारें।
43	1931	2	(3)	12वीं पंक्ति में शब्द 'पुनर्खरीद' को शब्द 'पुनर्खरीद' से सुधारें।
44	1932	2	8	6ठी पंक्ति में शब्द 'निम्न' को शब्द 'निम्न' से सुधारें।
45	1932	2	1	19वीं पंक्ति में शब्द 'वय' को शब्द 'देय' से सुधारें।
46	1932	2	2	24वीं पंक्ति में शब्द 'विरण' को शब्द 'वितरण' से सुधारें।
47	1933	1	4	8वीं पंक्ति में शब्द 'पहुंचना' को शब्द 'पहुंचने' से सुधारें।
48	1933	1	7	30वीं पंक्ति में शब्द 'मुआवजा' को शब्द 'मुआवजा' से सुधारें।
49	1933	2	(2) (2)	4थी पंक्ति में शब्द 'वारन्ट' को हटाएं।
50	1933			तालिका में छठी पंक्ति में शब्द 'पोर्टफोलियो' को शब्द 'पोर्टफोलियो' से सुधारें।
51	1935	1		7वीं पंक्ति में शब्द 'केई' को शब्द 'कोई' से सुधारें।
52	1935	1	3	16वीं पंक्ति में शब्द 'उद्देशों' को शब्द 'उद्देश्य' से सुधारें।
53	1935	1	5	28वीं पंक्ति में शब्द 'समुद्रपारायविदेशी' को शब्द 'समुद्रपारीय/विदेशी' से सुधारें।
54	1935	1	5	29वीं पंक्ति में शब्द 'द्वारह' को शब्द 'द्वारा' से सुधारें।
55	1935	1	5	30वीं पंक्ति में शब्द 'विदेशी समुद्रपारीय' को शब्द 'विदेशी/समुद्रपारीय' से सुधारें।
56	1935	1	5	32वीं पंक्ति में शब्द 'अभिदन्त' को शब्द 'अभिदान' से सुधारें।
57	1936			तालिका की 3री पंक्ति में 'क्र०म०सं०' से शब्द 'स' को हटाएं।
58	1936			तालिका की 21वीं पंक्ति में शब्द 'इक्वलेपमेंट' को शब्द 'इक्वलेपमेंट' से सुधारें।
59	1937		5	42वीं पंक्ति शब्द 'के' को शब्द 'क' से सुधारें।
60	1939	1	ट (ii)	36वीं पंक्ति में शब्द 'पिछले' से पहले शब्द 'जब' लिखें।
61	1939		ट(ii)	30वीं पंक्ति में शब्द 'मूक्य' को शब्द 'मूल्य' से सुधारें।
62	1940	2	5 (ख) (iii)	7वीं पंक्ति में शब्द 'रक्षित-अ-रक्षित' को शब्द 'रक्षित/अ-रक्षित' से सुधारें।
63	1942	1	15(3)	24वीं पंक्ति में शब्द 'प्रमाण-पत्र' को शब्द 'प्रमाणपत्र' से सुधारें।
64	1942	1	15(7)	41वीं पंक्ति में शब्द 'रेख' को शब्द 'रखो' से सुधारें।
65	1942	2	16	9वीं पंक्ति में शब्द 'वो' को शब्द 'को' से सुधारें।
66	1943	1		8वीं पंक्ति में शब्द 'डिपॉजिटरी' के बाद 'लिमिटेड' लिखें।
67	1946			पहली पंक्ति में शब्द 'किया गया जो' को शब्द 'किया गया जो और' से सुधारें।
68	1946			तालिका की 37वीं पंक्ति में संख्या '10.50%' को संख्या '10.55%' से सुधारें।
69	1947			तालिका की 16वीं पंक्ति में संख्या '96)' को संख्या '96 (II)' से सुधारें।
70	1947			तालिका की 17वीं पंक्ति में संख्या '96' को संख्या '96 (III)' से सुधारें।
71	1948			28वीं पंक्ति में शब्द 'मुकदमे' को शब्द 'मुकदमे' से सुधारें।
72	1949			38वीं पंक्ति में संख्या '00.17' को संख्या '0.0017' से सुधारें।
73	1950			8वीं पंक्ति में संख्या '13.50' को संख्या '13.50' से सुधारें।
74	1950			12वीं पंक्ति में संख्या '27.40' को संख्या '28.40' से सुधारें।



1	2	3	4	5
75	1950			15वीं पंक्ति में संख्या '194.45' को संख्या '195.45' से सुधारें।
76	1950			6वीं पंक्ति में संख्या '10.79' को शब्द '10.59' से सुधारें।
77	1950			26वीं पंक्ति में संख्या '*12.50' को शब्द '12.50' से सुधारें।
78	1950			27वीं पंक्ति में संख्या '0.14' को शब्द '-0.14' से सुधारें।
79	1952			9वीं पंक्ति में संख्या '0.16' को संख्या '-0.16' से सुधारें।
80	1952			12वीं पंक्ति में संख्या '12.67' को संख्या '12.62' से सुधारें।
81	1952			9वीं पंक्ति में संख्या '0.08' को संख्या '-0.08' से सुधारें।
82	1952			8वीं पंक्ति में संख्या '13.00' को संख्या '\$\$ 13.00' से सुधारें।
83	1952			10वीं पंक्ति में संख्या '*12.1' को संख्या '12.31' से सुधारें।
84	1952			11वीं पंक्ति में संख्या '401' को संख्या '49.01' से सुधारें।
85	1952			12वीं पंक्ति में संख्या '2.37' को संख्या '-2.37' से सुधारें;।
86	1952			18वीं पंक्ति में शब्द 'योजला' को शब्द 'योजना' से सुधारें।
87	1952			25वीं पंक्ति में संख्या '0.06' को संख्या '-0.06' से सुधारें।
88	1952			25वीं पंक्ति में संख्या '0.10' को संख्या '*0.10' से सुधारें।
89	1952			26वीं पंक्ति में संख्या '*' को संख्या '*9.48' से सुधारें।
90	1952			25वीं पंक्ति में संख्या '0.49' को संख्या '0-.49' से सुधारें।
91	1954			31वीं पंक्ति में संख्या '0.18' को संख्या '-0.18' से सुधारें।
92	1954			28वीं पंक्ति में संख्या '9.4' को संख्या '9.64' से सुधारें।
93	1954			31वीं पंक्ति में संख्या '0.41' को संख्या '-0.41' से सुधारें।
94	1954			31वीं पंक्ति में संख्या '-.18' को संख्या '0.18' से सुधारें।
95	1954			33वीं पंक्ति में संख्या '6.63' को संख्या '5.63' से सुधारें।
96	1955			15वीं पंक्ति में शब्द 'एमआईपी-97 (IV)' को शब्द 'एमआईपी-97 (V)' से सुधारें।
97	1955			36वीं पंक्ति में संख्या '*17-03-99' को संख्या 'एड17-03-99' से सुधारें।
98	1955			42वीं पंक्ति में संख्या 'S—23.03.99' को शब्द 'S—23.03.99' से सुधारें।
99	1955			20वीं पंक्ति में संख्या 'C-20.79' को संख्या 'C-10.79' से सुधारें।
100	1955			26वीं पंक्ति में संख्या '10.69' को संख्या '10.697' से सुधारें।
101	1956	1	XXI-I	7वीं पंक्ति में शब्द 'निर्देशों' को शब्द 'निर्देशो' से सुधारें।
102	1956	1	XXI-II	10वीं पंक्ति में शब्द 'साथ' को शब्द 'हम' से सुधारें।
103	1956			तालिका की 3री पंक्ति में शब्द 'विरतण' को शब्द 'वितरण' से सुधारें।
104	1956			तालिका की 20वीं पंक्ति में संख्या '45.57' को संख्या '75.57' से सुधारें।
105	1957			18वीं पंक्ति में संख्या '321.19' को संख्या '-321.19' से सुधारें।
106	1957			20वीं पंक्ति में शब्द 'मासिक आय' से पहले '\$' यह चिन्ह-समापन।
107	1957			22वीं पंक्ति में शब्द 'संचित' को शब्द 'उचित' से सुधारें।
108	1957	2		34वीं पंक्ति में शब्द 'टलि' को शब्द 'टेलि' से सुधारें।

1	2	3	4	5
109	1958	1		30वीं पंक्ति में संख्या '7-13216' को संख्या '713216' से सुधारें ।
110	1958	1		45वीं पंक्ति में शब्द 'आर्ट्स/कालेज' को शब्द 'आर्ट्स कालेज' से सुधारें ।
111	1958	2		5वीं पंक्ति में शब्द 'सर्वोध्य' को शब्द 'सर्वोदय' से सुधारें ।
112	1958	2		3वीं पंक्ति में शब्द 'निरुन्नतपुरम' को शब्द 'निरुन्नतपुरम' से सुधारें ।
113	1958	2		8वीं पंक्ति में शब्द 'स्वस्थिक' को शब्द 'स्वस्तिक' से सुधारें ।
114	1958	2		10वीं पंक्ति में शब्द 'सेलई' को शब्द 'सलई' से सुधारें ।
115	1958	2		12वीं पंक्ति में संख्या '78' को संख्या '28' से सुधारें ।
116	1958	2		21वीं पंक्ति में शब्द 'सजय' को शब्द 'संजय' से सुधारें ।
117	1958	2		36वीं पंक्ति में संख्या '367278' को संख्या '317278' से सुधारें ।

ए० जी० जोशी  
मुख्य महाबन्धक  
व्यवसाय विकास एवं विपणन

#### भारतीय भेषजी परिषद्

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 सितम्बर 1999

संख्या 17-1/99-पी० सी० आई०/9585-9785—भारतीय भेषजी परिषद् के 7-8 जून 1999 को सम्पन्न हुए 65वें अधिवेशन में पारित निम्नलिखित संकल्पों को भेषजी अधिनियम 1948 (1948 का 8) की धारा 15 में विहित प्रावधानों के तहत राजपत्र में प्रकाशित किया जाता है ।

प्रस्ताव-संख्या 65/पी० सी० आई०/1200—(1) भेषजी अधिनियम 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मसी पाठ्यक्रम का, डिप्लोमा फार्मसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदित घोषित करती है ।

संस्था का नाम-	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
आन्ध्र प्रदेश		
गवर्नमेंट पालिटेक्निक फार बुमेन धारंगल	30	2000-2001
श्री वंकरेश्वरा कालेज 86, मादहापुर बिलेज, मेरोलिगमपैली मंडल, रंग रेडी डिस्ट्रिक्ट, आन्ध्र प्रदेश	60	2000-2001
कमला नेहरू पालिटेक्निक फार बुमेन एजीविशन आउण्ड हैदराबाद-500001	60	2000-2001
आन्ध्र प्रदेश		
गवर्नमेंट पालिटेक्निक विशाखापत्तनम-530007	60	2000-2001

(2) भेषजी अधिनियम 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद्, सचिव राज्य तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण समिति, बी० आर० के० आर० बिस्किंग, सतवां तल, टैंक रोड हैदराबाद द्वारा उपरलिखित मन्त्र तक आयोजित फार्मसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अहित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी० सी० आई०/1201--(1) भेषजी अधिनियम 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मसी पाठ्यक्रम का, डिप्लोमा फार्मसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संबंध में अनुमोदित घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	मन्त्र तक अनुमोदित
दिल्ली		
सुब्रामनिय भारती कालेज आफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, होलम्बी खुर्द, दिल्ली-110082	60	2000-2001

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद्, रजिस्ट्रार गवर्नमेंट आफ दिल्ली, बोर्ड आफ टेक्निकल एजुकेशन, कस्तूरबा पालिटेक्निक बिस्किंग, नियर टी० बी० टावर/प्रीम बिल्डी, पुल प्रीतम पुर, नई दिल्ली-110034 द्वारा उपरलिखित मन्त्र तक आयोजित फार्मसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अहित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी० सी० आई०/1202--(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा पंचाक्षर डिप्लोमा फार्मसी पाठ्यक्रम का, डिप्लोमा फार्मसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संबंध में अनुमोदित घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	मन्त्र तक अनुमोदित
गुजरात		
श्रीमती आर० डी० गादी गवर्नमेंट डिप्लोमा फार्मसी कालेज, लखतर-382775, डिस्ट्रिक्ट सुरेन्द्रनगर	60	2000-2001
गुजरात		

(2) भेषजी अधिनियम 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद्, सचिव, मायूरुणतरा युनिवर्सिटी, युनिवर्सिटी कॉम्पस बलवाई रोड, राजकोट-366005 (गुजरात) द्वारा उपरलिखित मन्त्र तक आयोजित फार्मसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अहित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी० सी० आई०/1203--(1) भेषजी अधिनियम 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मसी पाठ्यक्रम का, डिप्लोमा फार्मसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संबंध में अनुमोदित घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
गुजरात श्री जी० एम० पटेल कालेज आफ फार्मसी, नियर नागलपुर बस स्टैंड (ईस्ट) रामबा कन्या छात्रालय कैम्पस, डू.ई.वे, महुसाना-2 गुजरात	30	1996-97 से 1998-99 तक
श्री बी० एम० शाह कालेज आफ फार्मसी, कालेज कैम्पस, मोदासा-383315 डिस्ट्रिक्ट एस० के० (गुजरात)	90	2000-2001

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद्, सचिव, नर्थ गुजरात यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी रोड, पोस्ट बाक्स सं० 21 पटना-384265 (नर्थ गुजरात) द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी सी आई /1204.—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मसी पाठ्यक्रम, का, डिप्लोमा फार्मसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदन घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
गुजरात डा० दयाराम पटेल फार्मसी कालेज, सरदार बाग, बरवोली-394602, डिस्ट्रिक्ट सूरत, गुजरात।	60	2000-2001

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् सचिव, साऊथ गुजरात यूनिवर्सिटी, युनिवर्सिटी कैम्पस, साऊथ मंगडाला रोड, सूरत-395007 द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी०सी०आई०/1205.—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मसी पाठ्यक्रम का डिप्लोमा फार्मसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदन घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
हरियाणा बी० पी० एस० महिला पालीटेकनिक, खानपुर कलां, हरियाणा।	40	2000-2001

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निदेशक, तकनीकी शिक्षा समिति, हरियाणा, एस०सी०ओ०नम्बर 38-39, सेक्टर 17-ए, चण्डीगढ़ द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मोसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषजज्ञ के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी०सी०आई०/1206.—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मोसी पाठ्यक्रम का, डिप्लोमा फार्मोसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदन घोषित करती है :—

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
कर्नाटक अमृत एजुकेशन एण्ड कल्चरल सोसायटी, पवन कालेज आफ फार्मोसी, बंगलौर-मद्रास बाई-पास रोड, पवन नगर, पी०सी० हाली एक्सटेंशन, कोलर-563101 (कर्नाटक)।	60	1999-2000
बी० एम० बी० बी० सघास स्कूल आफ फार्मोसी, हुँगुड-587118।	40	1999-2000
डी० आर० कारी गोडा कालेज आफ फार्मोसी, हासन-573201 (कर्नाटक)।	40	1999-2000
राष्ट्रीय स्वनात्मक कार्य समिति कालेज आफ फार्मोसी, नऊवाड, बिदर-585402।	60	1999-2000
श्री होमबी गोडा एजुकेशन ट्रस्ट डा० एच एल० थोमी गोडा, कालेज आफ फार्मोसी, केन्गाल-चीनापटना, बेंगलौर--(करल)-571502।	40	1999-2000
मराठा मंडल कालेज आफ फार्मोसी, 1007, मालमरुती एक्सटेंशन, आपोजिट पुलिस परेड ग्राऊन्ड, बेलगाम-590016।	60	1999-2000

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधान के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद्, अध्यक्ष, परीक्षा प्राधिकरण समिति, मार्फत औषधि नियंत्रक कार्यालय, कर्नाटक, पैलेस रोड, पी० बी० नं० 5377; बंगलौर-560001 द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मोसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषजज्ञ के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 66/पी०सी०आई०/1207.—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मोसी पाठ्यक्रम का, डिप्लोमा फार्मोसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदन घोषित करती है :—

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सबसे तक अनुमोदित
केरल जे० डी० टी० इस्लाम कालेज आफ फार्मसी, कालीकट-673012 (केरल) अमरीता कालेज आफ फार्मसी, साईस, एम० ए० मेथर, आश्राम लेन, आजाद रोड, कलूर, कौची-682017।	60  60	1996-1997 से 1998-1999 तक 2000-2001

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद्, अध्यक्ष, डिप्लोमा फार्मसी परीक्षा समिति, मार्फत चिकित्सा शिक्षा निदेशालय, पोस्ट आफिस चिकित्सा, तिरुवनन्थापुरम-695011 द्वारा ऊपर लिखित सब तक आयोजित फार्मसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषजों के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी सीआई/1208--(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद्, निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संबोधित डिप्लोमा फार्मसी पाठ्यक्रम का, डिप्लोमा फार्मसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सब तक के संदर्भ में अनुमोदित घोषित करती है :-

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सबसे तक अनुमोदित
1	2	3
महाराष्ट्र एन० टी० डी० समिति इन्स्टीट्यूट आफ फार्मसी, नन्दुरवार, पोस्ट बाक्स नं० 9, डिस्ट्रिक्ट धूले--(महाराष्ट्र)।	60	1999-2000
जीजाभाता एजुकेशन सोसाईटी कालेज आफ फार्मसी (डिप्लोमा), पोस्ट बाक्स नं० 04, नन्दुरवार, डिस्ट्रिक्ट धूले-425 412 (महाराष्ट्र)।	60	1999-2000
आर० डी० कालेज आफ फार्मसी, भोर डिस्ट्रिक्ट, पुणे-412206।	60	1999-2000
एस० पी० एम० कालेज आफ फार्मसी, आकलुज (डिप्लोमा) टाल० मलशीरस, डिस्ट्रिक्ट-सोलापुर-413101, महाराष्ट्र।	40	2000-2001
विधर्मा यूथ वेलफेयर सोसाईटी इन्स्टीट्यूट आफ डिप्लोमा इन फार्मसी, बोरगाव (मेघे), बारधा-442001 (महाराष्ट्र)।	60	2000-2001



(2) भेषजी अधिनियम 1948 (1948 का 48) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् सचिव मध्य प्रदेश बोर्ड आफ टेक्निकल एजुकेशन आफिस बिल्डिंग बजक ए-4 गौतम नगर भोपाल-462023 (मध्य प्रदेश) द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मैसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव सं० 65/पी०सी०आई/1210—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मैसी पाठ्यक्रम का, डिप्लोमा फार्मैसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदन घोषित करती है:—

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित है	सत्र तक अनुमोदित
उड़ीसा सिधेश्वर कालेज आफ फार्म/साईंस, बालासोर (उड़ीसा)	60	1999-2000
इन्स्टीट्यूट आफ फार्मैसी एण्ड टेक्नालाजी, सासीपुर, डिस्ट्रिक्ट कटक-754202 (उड़ीसा)	60	2000-2001

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद्, सचिव, भेषजी समिति उड़ीसा राज्य, औषधि नियन्त्रण प्रशासन निदेशालय, पोस्ट आफिस सौतेक स्कूल, न्यू नन्दन केतन रोड, भुवनेश्वर-751005 द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मैसी में डिप्लोमा परीक्षा को 751 005 इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी०सी०आई/1211—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मैसी पाठ्यक्रम का डिप्लोमा फार्मैसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदन घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
पंजाब जे० आर० एम० आदर्श भारतीय कालेज आफ फार्मैसी, हलहीजी रोड, बार्ड-पास पठानकोट-145001 डिस्ट्रिक्ट, गुरदासपुर (पंजाब)	60	1999-2000
आवेश पालिटेकनिक, फिरोजपुर रोड, मुक्तसर-152026 (पंजाब)	60	2000-2001



(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद्, निदेशक, तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण (तकनीकी शिक्षा विंग) पंजाब, मैक्टर 36-ए, चण्डीगढ़, द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मैसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी०सी०आई०/1212—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मैसी पाठ्यक्रम का, डिप्लोमा फार्मैसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदन घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
राजस्थान पब्लिक हेल्थ ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट एस० एम० एस० मैडिकल कालेज, जयपुर-302004 (राजस्थान)	60	1997-98

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद्, रजिस्ट्रार, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर-302001 द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मैसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी०सी०आई०/1213—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मैसी पाठ्यक्रम की, डिप्लोमा फार्मैसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदन घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
तमिलनाडु जे० एस० एस० कालेज आफ फार्मैसी "राकलेण्डस" पोस्ट बाक्स नं० 20, ओटकासुन्ड-643001	100	2000-2001

(2) भेषजी अधिनियम 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद्, केयरमेन, बोर्ड आफ अगजामिनयरस फार डिप्लोमा इन फार्मैसी, केयर आफ मैडिकल एजुकेशन, चंपाक, चेन्नई-600005 (तमिलनाडु) द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मैसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी०सी०सी०आई०/1214—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मैसी पाठ्यक्रम को, डिप्लोमा फार्मैसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदन घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
सिक्किम हिमालयान फार्मैसी इन्स्टीट्यूट, डिओराली, सिक्किम-737102	60	1999-2000

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद्, सचिव, परीक्षा अधोस्टी फॉर डिप्लोमा इन फार्मेसी, फाइव-वेस, डिओरली, गंगोतक-737102 (सिक्किम) द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मेसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषजश के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी०सी०आई०/1215—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मेसी पाठ्यक्रम का, डिप्लोमा फार्मेसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदन घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
---------------	--------------------------------------	------------------

उत्तर प्रदेश रामदेवी रामदयाल महिला पॉलीटेक्निक (फारमर्ली कानपुर) महिला पॉलीटेक्निक, कानपुर (यू० पी.)	40	2000-2001
---	----	-----------

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद्, सचिव, बोर्ड ऑफ टेक्नासॉजी एजुकेशन, यू० पी०, लखनऊ-226019 द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मेसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषजश के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी०सी०आई०/1216—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थाओं द्वारा संचालित डिग्री फार्मेसी पाठ्यक्रम का, डिग्री फार्मेसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदन घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	तक अनुमोदित
---------------	--------------------------------------	-------------

आंध्र प्रदेश सेंट पीटरस इन्स्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसिज, बिद्यानगर, हमनकोडा-506001 (आंध्र प्रदेश)	60	2001-2002
--	----	-----------

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद्, रजिस्ट्रार, ककासिया यूनिवर्सिटी, वारंगल-506009 द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मेसी में डिग्री परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषजश के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी०सी०आई०/1217—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिग्री फार्मेसी पाठ्यक्रम का, डिग्री फार्मेसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदन घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
---------------	--------------------------------------	------------------

असम डिपार्टमेंट ऑफ फार्म० साइंसिज, डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, डिब्रूगढ़ (असम)	20	1999-2000
---	----	-----------

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् रजिस्ट्रार, डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, डिब्रूगढ़-786004 (असम) द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मैसी में डिग्री परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में पंजीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी० सी० आई०/1218—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थाओं द्वारा संचालित डिग्री फार्मैसी पाठ्यक्रम का, डिग्री फार्मैसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदित घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
<b>कर्नाटक</b>		
आर० आर० के० समिति कालेज ऑफ फार्मैसी, नऊबाद, बिदर-585402	40	1994-95 से 1997-98 तक
राजीव मेमोरियल एजुकेशन सोसायटी कालेज ऑफ फार्मैसी, बालाजी नगर, ओल्ड जेवारगी रोड, गुलबर्गा-585102 (कर्नाटक)	40	1992-93 से 1999-2000 तक

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् रजिस्ट्रार, गुलबर्गा यूनिवर्सिटी ऑफ ज्ञाना गांगा, गुलबर्गा-585106 और राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस, 4 "टी" बालक जयनागर, बंगलौर-560041 (कर्नाटक) द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मैसी में डिग्री परीक्षा को इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में पंजीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

प्रस्ताव संख्या 65/पी० सी० आई०/1219—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थाओं द्वारा संचालित डिग्री फार्मैसी पाठ्यक्रम का, डिग्री फार्मैसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदित घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
<b>कर्नाटक</b>		
भारतीय एजुकेशन ट्रस्ट (रजि०), भारती कालेज ऑफ फार्मैसी, भारती नगर, (के० एम० डोडी)-571422, मांडे डिस्ट्रिक्ट (कर्नाटक)	40	1993-94 से 1999-2000 तक

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् रजिस्ट्रार, यूनिवर्सिटी ऑफ मैसूर, मैसूर विश्वविद्यालय, कार्य सुधा करऊफोर्ड हाल, मैसूर-5 (कर्नाटक) और राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस, 4 टी बालक, जयनागर बंगलौर-560041 (कर्नाटक) द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मैसी में डिग्री परीक्षा को इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में पंजीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

सं० 65/पी० सी० आई/1220:—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद निम्नलिखित संस्थाओं द्वारा संचालित डिग्री फार्मैसी पाठ्यक्रम का, डिग्री फार्मैसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिये उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के सन्दर्भ में अनुमोदित घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
केरल		
महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिकल एजुकेशन एट चिखन्दूर, कोटायम (केरल)	50	1993-94 से 1998-99 तक
महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिकल एजुकेशन एट पियुथयपली, कोटायम (केरल)	50	1993-94 से 1998-99 तक

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद रजिस्ट्रार महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, कोटायम (केरल) द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मैसी में डिग्री परीक्षा को इस अधिनियम के अधीन भेषजज्ञ के रूप में पंजीकरण के लिये अहित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

सं० 65/पी० सी० आई/1221:—(1) भेषजी अधिनियम 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद निम्नलिखित संस्थाओं द्वारा संचालित डिग्री फार्मैसी पाठ्यक्रम का, डिग्री फार्मैसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिये उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के सन्दर्भ में अनुमोदित घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
महाराष्ट्र		
प्रबारा कूरल एजुकेशन सोसायटी प्रबारा नगर, ए/पी लोनी-413736 श्रीरामपुर, डिस्ट्रिक्ट, अहमदनगर, (महाराष्ट्र)	60	2000-2001

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद, कन्ट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन्स, यूनिवर्सिटी आफ पुणे, गणेशबाइड, पुणे-411007 (महाराष्ट्र) द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मैसी में डिग्री परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषजज्ञ के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिये अहित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

सं० 65/पी० सी० आई/1222:—(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद निम्नलिखित संस्थाओं द्वारा संचालित डिग्री फार्मैसी पाठ्यक्रम का, डिग्री, फार्मैसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के सन्दर्भ में अनुमोदित घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
---------------	--------------------------------------	------------------

राजस्थान		
बिरला इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एण्ड साइन्स, पिलासी-333031 (राजस्थान)	30	2001-2002

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद रजिस्ट्रार, बिरला इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साइंस, पिलानी-333031 (राजस्थान) द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मैसी में डिग्री परीक्षा को इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में पंजीकरण के लिये अहित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

सं० 65/पी० सी० आई०/1223:—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद निम्नलिखित संस्थाओं द्वारा संचालित डिग्री फार्मैसी पाठ्यक्रम का, डिग्री फार्मैसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिये उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदित घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
तमिलनाडु		
बी० इ० एल० कालेज ऑफ फार्मैसी (फारमेली जेय जे० कालेज ऑफ फार्मैसी); पी० वी० वी० रोड, ओल्ड पालावरम, चेन्नई-600017	60	1998-99

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद रजिस्ट्रार, डा तमिलनाडु डा० एम० जी० आर० मेडिकल यूनिवर्सिटी, पोस्ट बाक्स नं० 1200 नं० 4 अन्नासालाई, गोईनडे, चेन्नई-600032 (तमिलनाडु) द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मैसी में डिग्री परीक्षा को इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में पंजीकरण के लिये अहित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

सं० 65/पी० सी० आई०/1224:—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद निम्नलिखित संस्थाओं द्वारा संचालित डिग्री फार्मैसी, पाठ्यक्रम का, डिग्री फार्मैसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिये उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदित घोषित करती है।

संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
उत्तर प्रदेश		
डा० के० एन० मोदी इन्स्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च, मोदी नगर (उत्तर प्रदेश)	60	1999-2000

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद, रजिस्ट्रार, श्री० चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ-250001 (उत्तर प्रदेश) द्वारा उपरलिखित सत्र तक आयोजित फार्मैसी में डिग्री परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषज के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिये अहित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

## DEPARTMENT OF GOVERNMENT AND BANK ACCOUNTS

## CENTRAL DEBT DIVISION

Mumbai, the

In pursuance of Rule 18 of the Rule made by the Government of India under Section 28 of the Public Debt Act, 1944 and published in the Gazette of 20th April 1946 [as amended under the Notification No. F(8)/70-B/52 dated the 29th April, 1954 and the Notification in extra ordinary Gazette No. 67 dated 21st February 1990] the following list for the month ended July, 1999 is hereby advertised of securities lost etc. In respect of which prima facie ground exists for believing that the securities have been lost and the claim of applicant is just. All persons other than the respective claimants named below who have any claim upon these securities should communicate immediately with Chief General Manager, Reserve Bank of India, Central Office Department of Government and Bank Accounts, Central Debt Division, Mumbai.

The list has been divided into two parts. List "A" being securities now advertised for the first time and list "B" the list of securities previously advertised.

## List "A"

No. of the Securities	In whose name issued	Interest due from	Name of claimant for issue of duplicate or payment of discharge value	No. and Date of Orders issue
1	2	3	4	5

## (Gold Bonds 1998) (Mumbai Circle)

BY/SJO/ 000054	1013 Grms.	Raman Choudhary and Chandana Ram Choudhary	On Maturity	Raman Choudhary and Chandana Ram Choudhary	Case No. 20-4-2122 Chief General Manager Order dated 13-7-99 C.O. Dairy No. 33/13-7-99
9% Relief Bonds, 1987 (Byculla Circle)					
BC-2946 to BC 2955	Rs. 5000/- each	Arun Parmananddas Goradia	3-3-88	Arun Parmananddas Goradia	06-25-04 dt. 6-8-99

## List "B"

No. of the Securities	Value in Rs.	In whose name issued	Interest due from	Name of claimant for issue of duplicate or payment of discharge value	No. and Date of Orders issue
1	2	3	4	5	6

## 10% Relief Bond 1995 (New Delhi)

DH-003417 (GP/NC)	44,000/-	Buddhadeb Chakrabarty	—	Buddhadeb Chakrabarty	PDO/DT/LN-3/98 Dt. 9-6-99
DH-7061 (GPC)	15,00,000/-	Manish Mehra Vinay Mehra	—	Manish Mehra and Vinay Mehra	PDO/DT/LN-1/99 Dt. 9-6-99

## 10% Relief Bonds 1993

DH-000457 (GP/NC)	4,00,000/-	Satish Kumar Bansal and Kiran Bansal	—	Satish Kumar Bansal and Kiran Bansal	PDO/DT/LN-3/98 Dt. 9-6-99
----------------------	------------	---	---	---	------------------------------

## Gold Bonds 1998 (Mumbai Circle)

BY/SCG 000010	1053 gms of gold	Shri Rajesh Gulati	22-04-1993 (Payable on maturity)	Shri Rajesh Gulati	Case No. 20-04-2123 General Manager's order dated 14-05-99 C.O. Dairy No. 856 dated 15-05-1999
------------------	---------------------	--------------------	--	--------------------	--

1	2	3	4	5	6
10% Relief Bond 1995 (Non-cumulative) Kanpur Circle)					
KN-001971	2,00,000/-	Brij Mohan Gupta and Iadira Gupta (E or S)	Half yearly interest due from 1-7-99	Brij Mohan Gupta and Indira Gupta (E or S)	IR-1618/69 (File No. 09-12-270) dated 31-5-99
KN-001952	1,00,000/-	Ram Chandra Agarwal and Ushai Rani Agarwal (E or S)	Do.	Ram Chandra Agarwal and Ushai Rani Agarwal (E or S)	Do.
KN-001953	35,000/-	Harpal Nayar and Indu Nayar	Do.	Harpal Nayar and Indu Nayar	Do.
KN-001954	40,000/-	Indu Nayar and Harpal Nayar	Do.	Indu Nayar and Harpal Nayar	
KN-001955	50,000/-	Vijaya Shila and J.P. Jaiswal (E or S)		Vijaya Shila and J.P. Jaiswal (E or S)	Do.
KN-001961	2,00,000/-	Mahesh Chandra Gupta and Pushpa Devi (E or S)	Do.	Mahesh Chandra Gupta and Pushpa Devi (E or S)	Do.

Smt. N.A. AHLEY,  
p. Chief General Manager

Mumbai the 28th August, 1999

No. IB S-571/23/13/086/99-2000—In pursuance of sub section (2) of Section 36 A of the Banking Regulation Act, 1949, the Reserve Bank of India hereby notifies that Hanil Bank has ceased to be a banking company within the meaning of the said Act.

G.P. MUNIAPPAN  
Executive Director

No. IB S-572/23-13-086/99-2000—In pursuance of clause (b) of sub-section (6) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Reserve Bank of India hereby directs the exclusion from the Second Schedule to the said Act of the following :—

“Hanil Bank”.

G.P. MUNIAPPAN  
Executive Director

#### STATE BANK OF INDIA

##### CENTRAL OFFICE

Mumbai-400 021, the 8th September 1999

##### NOTICE

With reference to the Notice dated the 25th August 1999 containing the names and addresses of the validly nominated candidates contesting for the election for the two vacancies of Directors on the Central Board under Section 19(c) of the State Bank of India Act, notice is hereby given that the following candidates have been duly declared elected as Directors on the Bank's Central Board in the election held at the General Meeting of the shareholders of the Bank on the 8th September 1999 at Suryavanshi Kshatriya Sabhagraha, Suryavanshi Kshatriya Sabhagraha Marg, Dadra, Mumbai-400 028 (Maharashtra)

1. Shri Prithvi Raj Khanna,  
70, Sunder Nagar, New Delhi-110 003.
2. Dr. S. Ramani,  
19, Bay View, New Beach Road,  
Tiruvanmiyur, Chennai-600 041.

V. JANAKIRAMAN  
Managing Director &  
Group Executive (CB)

#### CORPORATION BANK

(A GOVERNMENT OF INDIA UNDERTAKING)

##### HEAD OFFICE

Mangalore-575 001, the 6th July 1999

No. PAD : IR : OSR Amend : 191 : 99 : 2000.—In exercise of the powers conferred by Section 19, read with sub-section (2) of section 12 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980) the Board of Directors of the Corporation Bank in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following Regulations further to amend Corporation Bank (Officers') Service Regulations, 1982.

##### 1. SHORT TITLE AND COMMENCEMENT

- (1) These regulations may be called the Corporation Bank (Officers') Service (Amendment) Regulations, 1999.
- (2) Save as otherwise provided in these Regulations, they shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Corporation Bank (Officers') Service Regulations, 1982,

(a) in regulation 12, after sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

(4) any officer, —

(a) who had exercised option referred to in sub-regulation (1), and

(b) who continued even after the first day of February, 1984 to draw pay and allowances applicable to him immediately before the appointed date; and

(c) who continues in regular service of the bank on or after the first day of April, 1997,

may be allowed to opt for pay and allowances as applicable under these regulations on and from the first day of April, 1997; On exercising such option, he will be fitted on the pay in such a manner that the pay as set out in Regulation 4(2) alongwith the dearness allowance payable thereon as on 1-4-1997 is nearest to his existing salary (i.e. pay plus dearness allowance) being drawn in terms of sub-regulation (2) on 31-3-1997.

(b) in regulation 23,

(i) after sub-regulation (iii), the following proviso shall be inserted, namely :—

'Provided that on and from the first day of April, 1997, the provisions of this sub-regulation shall have effect as if for the letters, figures and words "Rs. 40 p.m. or Rs. 25 p.m.", the letters, figures and words "Rs. 125 per month or Rs. 100 per month" had been respectively substituted';

(ii) after sub-regulation (iv), the following proviso shall be inserted, namely :—

'Provided that on and from the first day of April, 1997, the provisions of this sub-regulation shall have effect as if for the letters and figures "Rs. 150 p.m.", the letter, figures and words "Rs. 300 per month" had been substituted'.

(iii) in sub-regulation (v), after the second proviso, the following proviso shall be inserted, namely :—

'Provided that on and from the first day of April, 1997 the provisions of this sub-regulation shall have effect as if, —

(A) for the letters and figures "Rs. 700", the letters and figures "Rs. 1000" had been substituted;

(B) for the letters and figures "Rs. 350" occurring at both the places in first and second proviso, the letters and figures "Rs. 500" had been respectively substituted';

(iv) after sub-regulation (vii), the following proviso shall be inserted, namely :—

'Provided that on and from the financial year 1997-1998, the provisions of the sub-regulation shall have effect as if for the letters and figures "Rs. 150" the letters and figures "Rs. 250" had been substituted';

(v) after sub-regulation (viii), the following proviso shall be inserted, namely :—

'Provided that on and from the first day of April, 1997 the provisions of this sub-regulation shall have effect as if for the letters and figures "Rs. 35 p.m.", the letters, words and figures "Rs. 70 per month" had been substituted';

(c) in regulation 32, after sub-regulation (2), the following proviso shall be inserted, namely :—

'Provided that Casual Leave not availed of in the year 1997 or in any subsequent year may be suffixed or prefixed to sick leave in the following three years';

(d) in regulation 42, —

(i) in sub-regulation 2(i), for the words and figures "on and from 1-7-1993", the words and figures "On and from 1-7-1993 but before 1-4-1997" shall be substituted,

(ii) after sub-regulation 2(i), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

"2(i) (a) On and from the first day of April, 1997, an officer on transfer will be reimbursed his expenses for transporting his baggage by goods train upto the following limits :

Pay Range	Where an Officer has family	Where an officer has no family
Rs. 4250 per month to		
Rs. 6210 per month	3000 kgs.	1500 kgs.
Rs. 6211 per month and above.	Full wagon	2500 kgs."

(iii) In sub-regulation (3), for the words and figures "On and from 1-1-1987", the words and figures "On and from 1-1-1987 but before 1-4-1997" shall be substituted;

(iv) after sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be inserted :—

3(a) "On and from the first day of April, 1997 an officer on transfer will be eligible to draw a lump sum amount as indicated below for expenses connected with packing, local transportation, insuring the baggage, etc :—

Grade	Lumpsum
Top Executive and Senior Management	Rs. 5000
Middle Management and Junior Management	Rs. 4000"

Foot Note : The amendments carried out earlier in the above Regulations were published in the Gazette of India vide Notification No. Nil with dates Nil.

M. D. KAMATH  
Deputy General Manager  
Personnel Administration Division

## EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, 1999

No. N-15/13/7/98-P & D —In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st August, 1999 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Andhra Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit),



Rules, 1955 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Andhra Pradesh namely :—

“All the areas falling within the limits of

(i) Revenue villages of Eluru Block-I, Eluru Block-II, and Eluru-Block III and forming part of Venkatanuram Panchayat and the revenue villages of Madanalli, Chintara, Jilubudi and Malkapuram in Eluru Mandal;

(ii) Revenue villages of Vangaru in Pedavegi Mandal;

(iii) Revenue village of Dondulur in Pedapadu Mandal in West Godavari District in Andhra Pradesh.

G. L. KAPOOR  
Director (P&D)

MINISTRY OF LABOUR  
EMPLOYEES' PROVIDENT FUND ORGANISATION  
(CENTRAL OFFICE)

4, BHIKAJI CAMA PLACE

New Delhi-110066, the 23rd August 1999

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/2980.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance

Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Government of India the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. & Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s The South Kanara Dist Central Co-op Bank Ltd., P.B. No. 721, Mangalore-575003.	KN/2814	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I Dated 3-7-97	31-3-96	1-4-96 to 31-3-99	2/4657/92/DLI
2.	M/s Manipal Printers and Publishers Ltd., Manipal, Dist. Udipi Mangalore.	KN/4682	Do. dated 3-7-97	31-3-99	1-4-99 to 31-3-2002	2/4658/92/DLI
3.	M/s The Mangalore Catholic Co-op. Bank Light House, Hill Road, Hampankatta, Mangalore-575001 along with branches.	KN/6480	Do. dated 3-7-97	30-1-95	31-1-95 to 30-1-98 & 31-1-98 to 30-1-2001	2/1317/85/DLI
4.	M/s. Kasturba Medical College, Manipal-576119.	KN/8810	Do. dated 16-11-98	31-3-99	1-4-99 to 31-3-2002	2/4661/92/DLI
5.	M/s Lamina Foundries Post Nitte Karkala-574110	KN/12084	Do. dated 16-11-98	31-3-99	1-4-99 to 31-3-2002	2/4662/92/DLI
6.	M/s Manmet Engineering Products (P) Ltd., Industrial Estate, Raikampady New Mangalore-575011.	KN/12583	Do. dated 4-3-97	28-2-99	1-3-99 to 28-2-2002	6(28)96/DLI
7.	M/s Manipal Institute of Technology Manipal-576119.	KN/8208	Do. dated 15-12-97	31-3-99	1-4-99 to 31-3-2002	2/4660/92/KN/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore, any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

A. K. JAIN

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/2993.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Providents Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employee Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishment in schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Shimla from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. G.A.V. Public School, Kangra, Himachal Pradesh	HP/11820	1-1-97 to 31-12-99	17(7)99/DLI
2.	M/s. Paonta Tyre Soles, Rampur Ghat, Paonta Sahib, Himachal Pradesh	HP/18124	1-2-97 to 31-1-2000	17(5)99/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns payment of insurance premia, transfer, of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

A. K. JAIN

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/2001.—WHEREAS the Employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the estt.	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Relaxo Rubber Ltd., 308/8 Shazada Bagh Old Rohtak Rd., Delhi-35	DL/249	1-11-92 to 31-10-95 & 1-11-95 to 31-10-98	3(102)99/DLI
2.	M/s. Relaxo Rubber H-42, Udyog Nagar, Rohtak Road, Delhi-41	DL/4604	1-11-92 to 31-10-95 1-11-95 & 31-10-95	3(103)99/DLI
3.	M/s. Indag Rubber Ltd., Khemka House, 11 Community Centre Saket, New Delhi-17	DL/7267	1-2-91 to 31-1-94 & 1-2-94 to 31-1-97 & 1-2-97 to 31-1-2000	3(104)99/DLI
4.	M/s. Standard Suppliers Pvt. Ltd., W-37, Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi-20	DL/7924	1-10-94 to 30-9-97 & 1-10-97 to 30-9-2000	3(106)99/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would

be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employee under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

A. K. JAIN  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/3011.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable

to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Haryana from the operation of said Scheme for a period of 3 (three) years.

#### SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Hindustan Vacuum Glass Ltd., 64-A, Industrial Area, Faridabad.	HR/508	1-7-93 to 30-6-96	5(9)99/DLI
2.	M/s. Shyam Antenna Electronics Ltd., A-60, Norojis, Industrial Area, Phase-I, Gurgaon.	HR/7857	1-9-95 to 31-8-98	5/10/99/DLI
3.	M/s. The Faridabad Central Co-op. Bank Ltd., Plot No. 52-53, N.I.T. Faridabad,	HR/1854	1-5-93 to 30-4-96	5/11/99/DLI

#### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the Employees. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Therefore, any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. 1/3020.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provision Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable

to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishment in schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Shimla from the operation of the said Scheme for a period of 3 (three) years.

#### SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective date of Exemption	CPFC's File No.
1.	M/s. Birlabour Vardhman Threads Ltd., Sai Road, Baddi, Solan, H.P.-173205, Tah. Nalagarh	HP/11989	1-3-96 to 28-2-99	17(2)99/DLI/SM
2.	M/s. Dharam Pal Satya Pal Ltd., Baddi Road, Brotiwala, Solan (HP).	HP/11993	1-3-96 to 28-2-99	17(3)99/DLI/SM
3.	M/s. Grauer Weil (India) Ltd., 31-32, Industrial Area, Brotiwala, Solan (HP).	HP/18256	1-10-98 to 30-9-2001	17(4)99/DLI/SM

#### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore, any reason, employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

A. K. JAIN  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/3029.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such

employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt. of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Cable Corporation of India Ltd., Laxmi Building, 6, Shoorji Vallabhdas Marg, Ballard Estate, Mumbai-400001.	MH/4037	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. dated 22-4-93	28-2-96	1-3-96 to 28-2-99 & 1-3-99 to 28-2-2002	2/813/DLI/83
2.	M/s Gulf Goa Hotel Co. Ltd., Heritage Gauravaddo Calangute, Bardez, Goa-403001.	MH/10316	dated 13-8-97	30-11-96	1-12-96 to 31-11-99	2/76/DLI/95
3.	M/s Tulip Diagnostics Pvt. Ltd., Gitanjali Tulip Block, Dr. Antonio Do Rego Bagh, Alto Santa Cruz, Bombolim, Goa.	MH/10353	dated 4-2-99	31-7-98	1-8-98 to 31-7-2001	9/21/DLI/98
4.	M/s Paraon Ltd., 301, Udyog Mandir No. I, Bhagoji keer Marg, Mahim, Mumbai-36 along with its branches	MH/12475	dated 5-1-98 dated 4-3-94	31-3-96 29-2-96	1-4-96 to 31-3-99 1-3-96 to 28-2-99	2/2120/DLI/89 2/3845/91/DLI
5.	M/s Hindustan Diamond Co-Ltd., Atlanta, 15th Floor Nariman Point, Mumbai-400021.	MH/21088				

#### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore, any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

A. K. JAIN

Regional Provident Fund Commissioner

### UNIT TRUST OF INDIA MUMBAI

#### OFFER DOCUMENT OF MONTHLY INCOME PLAN 1999

In our notification No. UT/DBDM/R-179/SPD-71-Y/98-99 dated 5th May 1999 published in the Gazette of India (Part III Sec. 4) dated June 12, 1999 the following shall be corrected.

Sr. No.	Page No.	Column	Clause/Sub-Clause	Corrections
1	2024			Page no '2094' should be corrected as '2024'.
2	2024	II	II(i)	In the first line the word 'Hondicapped' should be corrected as 'Handicapped'.
3	2025	1	II(l)	In the fifth line the word 'resident' should be corrected as 'resident'.
4	2025	1	II(r)	In the second line the word 'afted' should be corrected as 'after'.
5	2025	II	III	Under the subheading 'Derivatives' in the eleventh line the word 'thir' should be corrected as 'their'.
6	2025	II	III	Under the sub heading 'Stock Lending' in the first line the article 'a' should be added after the word 'is'.
7	2025	II	IV(3)	In the seventh line the word 'socio-economic' should be corrected as 'socio-economic'.
8	2026	I	IV(5)	Under the subheading 'Resident' in the item no (vii) in the first line the word 'corparote' should be corrected as 'corporate'.
9	2026	I	IV(7)	In the second line the word 'amount' to be added after the word 'maximum'.
10	2026	I	IV(7)	In the third paragraph in the third line the word 'schame' should be corrected as 'scheme'.
11	2026	II	IV(9)	In the second paragraph in the sixth line the word 'may' should be added after the word 'who'.
12	2026	II	IV(10)(v)	In the second line the word 'tre' should be corrected as 'the'.
13	2026	II	IV(10)(viii)	In the first line the word 'the' should be corrected as
14	2026	II	IV(10)(ix)	ated In the first line the word 'Registsar 'a'. should be corrected as 'registrars'.



1	2	3	4	5
15	2027	I	IV(10)(x)	In the fourth line the word 'sojject' should be corrected as 'subject'.
16	2027	I	IV(11)(i)	In the third paragraph in the first line the words 'tha ta' should be corrected as 'that a.'
17	2027	I	IV(11)(iii)	In the second line after the word 'clause' no. '(ii)' to be print correctedly.
18	2027	I	IV(11)(iv)	In the first line the word 'advertisment' should be corrected as 'advertisement'.
19	2027	II	IV(vi)(b)	In the fourth line the word 'due' should be added after the word 'properly'.
20	2027	II	IF(11)(viii)	In the first line the word 'hereinable' should be corrected as 'hereinabove'.
21	2027	II	IV(11)(viii)	In the third line figure '1966' should be corrected as '1996'.
22	2027	II	IV(11)(x)	In the second line the word 'requisit' should be corrected as 'request'.
23	2027	II	IV(11)(xi)(a)	In the second line the words 'foreign & exchange' should be corrected as 'foreign & exchange'.
24	2028	I	V(b)	Below the second table in the first line the word 'born' should be corrected as 'borne'.
25	2028	I	V(c)	Below the table in the second paragraph in the fourth line the word 'Walfare' should be corrected as 'welfare'.
26	2028	II	V(d)	In the second paragraph in the last line figure '31' should be replaced with '2047'.
27	2028	II	V(d)	In the third paragraph in the third line the word 'development' should be corrected as 'developmental'.
28	2028	II	V(d)	In the third paragraph in the sixth line the words 'production & developmental' should be corrected as 'productional & developmental'.
29	2029	I	VI(2)(i)	In the second paragraph in the seventh line the word 'franachise' should be corrected as 'franchise'.
30	2029	I	VI(2)(i)	In the 13th line the word 'charfges' should be corrected as 'charges'.
31	2029	I	VI(2)(iii)	In the heading the word 'repaptriation' should be corrected as 'repatriation'.
32	2029	II	VI(3)(iii)	In the second line the word 'mantally' should be corrected as 'mentally'.
33	2029	II	VI(4)	In the heading the word 'fo' should be corrected as 'of'.
34	2030	I	VI(4)	In the third line the word 'pperson' should be corrected as 'person'.
35	2030	I	VI(4)	In the second paragraph third line should be deleted and sentence should continue with 'shall be accompanied by certified copy of Partnership'.
36	2030	I	VI(4)	In the fourth line the word 'Dead' should be corrected as 'Deed'.
37	2030	I	VI(6)	In the second line the figure '15' should be replaced with '2033'.
38	2030	I	VI(7)(ii)	No. (iii) should be corrected as (ii).
39	2030	II	VII(2)	In the first paragraph second line the word 'yearas' should be corrected as 'years'.

1	2	3	4	5
40	2030	II	VII(2)	In the first paragraph in the fifth line the word 'daec' should be corrected as 'date'.
41	2030	II	VII(2)	In the seventh line the given date as '31-05-2000' should be corrected as '31-05-2002'.
42	2030	II	VII(2)	In the first paragraph in the eleventh line the word 'witnesser' should be corrected as 'witnessed'.
43	2030	II	VII(2)	In the second paragraph in the fourth line the word 'boun' should be corrected as 'bound'.
44	2030	II	VII(2)	In the fourth paragraph in the third line the word 'fresh' should be added before the word 'set'.
45	2031	I	VII(2)(ii)	In the fifth line the word 'Distributioin' should be corrected as 'Distribution'.
46	2030	I	VII(3)	In the first paragraph in the sixth line the word 'on' should be added before the date '01-12-99'.
47	2031	II	VIII	In the second paragraph in the fifth line the word 'mebers' should be corrected as 'members'.
48	2032	I	VIII(1)(iv)	In the second paragraph in the third line the word 'nature' should be corrected as 'mature'.
49	2032	I	VII(3)	Below the table in the eleventh line the word 'robably' should be corrected as 'probably'.
50	2032	II	VI(4)	Under the subheading 'Electronic Clearing Service' in the first paragraph in the third line the word 'oviate' should be corrected as 'obviate'.
51	2034		IX(4)(i)	The table 'List of schemes.....schemes as [on 30-06-98 should be numbered as '4.(i)']
52	2036	II	XIII(1)(e)	In the first line the word 'commisision' should be corrected as 'commission'.
53	2037	I	XIII(5)(B)(v)	In the ninth line the words 'for secured and 100%' should be added after the words 'upto 50%'.
54	2037	II	XIII(5)(B)(1)	In the fourth line the word 'rsultant' should be corrected as 'resultant'.
55	2038	I	XIII(9)	In the second line the word 'monhs' should be corrected as 'months'.
56	2039	I	XVII(1)	In the second paragraph in the first line the word 'oll' should be replaced with words 'of all'.
57	2040	I	XVII(3)	In the fifteenth line the word 'eBarch' should be corrected as 'Beach'.
58	2040	I	XVIII(1)	Under the sub-heading 'NORTHERN ZONE' in the fourth line the word 'Hearld' should be corrected as 'Herald'.
59	2040	I	XVIII(2)	In the second line comma should be added after the word 'received'.
60	2041		XVIII(2)	In the first column of the table in the fourteenth line the word 'GIMS-91' should be corrected as 'GMIS-91'.
61	2041		XVIII(2)	In the fortythird line the word 'MIP-94 (III)' should be corrected as 'MIP-94(III)'.
62	2042		XVIII(2)	Below the table under the subheading 'Reasons for..... are' in the (vi) item the word 'conpliance' should be corrected as 'compliance'.
63	2042		XIX(2)	In the second line the word 'trsutees' should be corrected as 'trustees'.
64	2043		XX(i)	In the first line the word 'of' should be added after the word 'funds'.
65	2043		XX(i)	In the second paragraph in the fourth line the word 'rfall' should be corrected as 'fall'.

1	2	3	4
66	2043	XX(i)	In the second paragraph in the fourth line the word 'for' should be corrected as 'far'.
67	2043	XX(ii)	In the first table in the item no7. '(Rs. Crs.)' should be corrected as '(Rs. Crs.)'.
68	2043	XX(ii)	In the first table in the item no8 the word 'Recurring' should be corrected as 'recruiting'.
69	2043	XX(ii)	In the line below the first table sign 'A' should be added before the word 'Non'.
70	2043	XX(ii)	In the second table in the item no8, in the last column figure '0.007' should be corrected as '0.0074'.
71	2044	XX(ii)	In the first table in the item no4, in the last column the figure '0.03' should be corrected as '0.03'.
72	2044	XX(ii)	In the second table in the first line 'MIP-95(II)' should be corrected as 'MIP-95(III)'.
73	2045	XX(ii)	In the line below the first table the word 'more' after the word 'Option' should be deleted.
74	2045	XX(ii)	In the second table in the item no8, in the last column the figure '0.080' should be corrected as '0.008'.
75	2045	XX(ii)	In the first table in the item no8, the figure '0.112' should be corrected as '0.012'.
76	2045	XX(ii)	In the second table 'MIP 8' appearing before 'NRI FUND' should be corrected as 'MIP 98'.
77	2045	XX(ii)	In the second table against the heading 'Scheme (Date of Allotment)' in the last column 'MIP (01-06-98)' should be corrected as '(01-06-98)'.
78	2046	XX(ii)	In the second table against the item no 2 & 4 under the sub heading (UBF) the figure '0.07' should be corrected as '0.07'.
79	2046	XX (ii)	In the second table against the item no 4 in the last column the figure '0.18' should be corrected as '0.18'.
80	2048		In the table in the first column in the tenth line the word 'NUI FUND' should be corrected as 'NRI FUND'.
81	2048		In the table against the item MIP 97(IV) date '01-70-97' should be corrected as '01-07-97'.
82	2048		In the table against the scheme name 'NRI FUND' in the third table the figure '13950' should be corrected as '13.50'.
83	2048		Below the table in the first line the word 'Income' should be corrected as 'Income'.
84	2049	1	Under the heading 'BRANCH OFFICES, WESTERN JURISDICTION' the word 'WESTERN' should be corrected as 'WESTERN'.
85	2049	1	Under the heading 'BRANCH, EASTERN JURISDICTION' in the eight line the figure '78100' should be corrected as '781001' and the next word 'Tel' should be corrected as 'Tel'.
86	2049	2	Under the heading 'BRANCH, EASTERN JURISDICTION' in the first line the word 'Exhibition' should be print correctly.
87	2049	2	Under the heading 'REPRESENTATIVE, DUBAI' in the last line the word 'UAL' should be corrected as 'UAE'.

## PHARMACY COUNCIL OF INDIA

KOTLA ROAD, TEMPLE LANE,

New Delhi-110002, the 7th September 1999

Ref.No. 17-1/99-PCI/9595-9785—The following resolutions passed by the Pharmacy Council of India at its 65th meeting held on 7th & 8th June, 1999 are Published hereunder as required under Section 15 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948) namely:—

Resolution No. 65/PCI 1200:—“(1) In pursuance of the provisions of sub section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified hereunder:

Name of institutions in A.P.	For adms limited to	Approved upto academic session
Govt Polytechnic for Women, Warangal.	30	2000-2001
Sri Venkateshwara College 86, Madhapur Village, Sherillingampally Mandal, Ranga Reddy District A.P.	60	2000-2001
Kamala Nehru Polytechnic for Women, Exhibition Grounds, Hyderabad-500 001 (A.P.)	60	2000-2001
Govt. Polytechnic Visakhapatnam-530 007.	60	2000-2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Secretary, State Board of Tech.Education and Trg., BRKR Bldg., 7th Floor, Tank Bund Road, Hyderabad, during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act.”

Resolution No. 65/PCI/1201:—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the pharmacy Council of India declares the Diploma course in pharmacy conducted by Institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under:

Name of institutions in Delhi	For adms limited to	Approved upto academic session
Subramania Bharathi College of Science & Technology, Holambi Khurd, Delhi-110 082.	60	2000-2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Registrar, Govt. of Delhi, Board of Technical Education, Kasturba Polytechnic Building, Near T.V. Tower/Prem Bari Pul, Pitam Pura, New Delhi-110 034, during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act.”

Resolution No. 65/PCI/1202:—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under:—

Name of institution in Gujarat	For adms limited to	Approved upto academic session
Smt. R.D. Gardi Govt. Diploma Pharmacy College, Lakhtar-382 775, Distt. Surendranagar-Gujarat	60	2000-2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948) the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Registrar, Saurashtra University, University Campus, Kalawad Road, Rajkot—363005 (Gujarat), during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act.”

Resolution No 65/PCI/1203:—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act 1948 (8 of 1948) the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under:—

Name of Institution in Gujarat	For admsn. limited to	Approved upto academic session
Shri G.M. Patel College of Pharmacy, Near Nagarpur Bus Stand (East), Ramba Kanya Chhatralaya Campus, High Way, Mehsana-2 (Guj.)	30	from 1996-97 to 1998-99
Shri B.M. Shah College of Pharmacy, College Campus, Modasa-383 315 Dist. S.K. (Gujarat).	60	2000-2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Registrar, North Gujarat University, University Road, P.B. N. 21, Patan-384 265 (North Gujarat), during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act.”

Resolution No. 65/PCI/1204:—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified hereunder:

Name of Institution in Gujarat	For admsn. limited to	Approved upto academic session
Dr. Dayaram Patel Pharmacy College, Sardar Baug, Bardoli-394 602. Distt. Surat (Gujarat).	60	2000-2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Registrar, South Gujarat University, University Campus, South Magdalla Road, Surat-395 007, during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act.”

Resolution No 65/PCI/1205:—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified hereunder:—

Name of Institutions in Haryana	For admsn. limited to	Approved upto academic session
B. P. S. Maha Polytechnic, Khanpur Kalan, Haryana	40	2000-2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act 1948 (8 of 1948) the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Director, Board of Tech. Education, Haryana, S. C. O. No. 38-39, Sector 17 A, Chandigarh, during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act.”

Resolution No. 65/PCI/1206:—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948, (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under:—

Name of Institutions in Karnataka	For admsn. limited to	Approve upto academic session
Amrith Education & Cultural Society's Pavan College of Pharmacy, Bangalore-Madras By-Pass Road, Pavan Nagar, P. C. Halli Extension Kolar-563101 (Karnataka)	60	1999-2000

1	2	3
V.M.V.V. Sangha's School of Pharmacy, Hungund-587118(Krn.)	40	1999-2000
DR Kari Gowda College of Pharmacy, Hassan-573 201 (Krn.)	40	1999-2000
Rashtriya Rachanatmak Karya, Samithi's College of Pharmacy, Naubad, Bidar-585 402 (Krn.)	60	1999-2000
Sri Hombe Gowda Education Trust Dr H.L. Thimme Gowda College of Pharmacy, Kengal-Chennapatna, Bangalore (Rural)-571502	40	1999-2000
Maratha Mandal's College of Pharmacy, 1007, Malmaruti Extension, Opp. Police Parade Ground, Balgaum-590016	60	1999-2000

In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Chairman, Board of Examining Authority, C/o Office of Drugs Controller for the State of Karnataka, Palace Road, P B No. 5377, Bangalore-560 001 (Krn.) during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act."

Resolution No. 65/PCI/1207—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under :

Name of Institutions in Kerala	For adms. limited to	Approved upto academic session
JDT Islam College of Pharmacy, Calicut-673012 (Kerala).	60	from 1996-97 to 1998-99
Amrita College of Pharm, Sciences, M. A. Math, Ashram Lane, Azad Road, Kaloort, Kochi-682017	60	2000-2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Chairman, Board of D. Pharm Examinations, C/o Dte of Medical Education, Medical College P O Thiruvananthapuram-695011 (Kerala) during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act."

Resolution No. 65/PCI/1208—“(1) In pursuance of the provisions of sub section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under :

Name of institution in M.S.	For adms. limited to	Approved up to academic session
1	2	3
N. T. V. Samiti's Institute of Pharmacy, Nandurbar, P.B. No. 9, Distt. Dhule (M. S.)	60	1999-2000
Jijamata Education Society's College of Pharmacy (Diploma), P. B. No. 04, Nandurbar, Distt. Dhule-425412 (M. S.)	60	1999-2000
R. D.'s College of Pharmacy, Bhor Distt, Pune-412206.	60	1999-2000
S. P. M.'s College of Pharmacy, Akuj (Diploma), Tal. Malshiras Distt. Solapur-413101 (M. S.)	40	2000-2001
Vidarbha Youth Welfare Society's Institute of Diploma in Pharmacy, Borgaon (Meghe), Wardha- 442 001 (M. S.)	60	2000-2001

1	2	3
Jalna Education Society's Institute of Pharmacy, Jalna-431203 (M. S.)	60	2000-2001
Sahyadri Shikshan Sanstha's College of Pharmacy (Poly.) Sawarda, Tal, Chiplun, Distt. Ratnagiri-415 606.	60	2000-2001
Pravara Rural Education Society's Pravara Rural College of Pharmacy, Pravaranagar, A.P. Loni-413 736 Tal. Srirampur, Distt. Ahmednagar (M.S.).	60	2000-2001
Dhule Charitable Society's Institute of Pharmacy, Dayasagar Educational Campus Deopur, Dhule-424 002 (M.S.)	60	2000-2001
Shikshan Prasarak Mandal Institute of Pharmacy L.T.M.V. Campus, Station Road, Wani Distt. Yavatmal-445 304 (M.S.)	60	2000-2001
Satara Education Society's Satara Polytechnic, Mangalwar Peth, Satara-415 002 (M.S.)	60	2000-2001
Shri Lakmanrao Mankar, Institute of Pharmacy, Amgaon-441 902.	60	2000-2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Secretary, Board of Tech. Examinations, Govt. Poly Building, 3rd Floor, 49, Kherwadi, Ali Yawar Jung Marg, Bandra (E), Mumbai-400 051 (M.S.), during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act."

Resolution No. 65/PCI/1209—“(1) In pursuance of the provisions of sub-Section (1) of section 12 of the pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under :

Name of institution in M.P.	For admns. limited to	Approved upto academic session
Shri Ram Nath Singh Mahavidyalaya (Pharmacy) Gormi-Bhind-477 660 (M.P.)	60	From 1996-97 to 1999-2000

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Secretary, M.P. Board of Tech. Education, Office Building Block A-4, Gautam Nagar, Bhopal-462023 (M.P.), during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act".

Resolution No. 65/PCI/1210—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under :

Name of institution in Orissa	For admns. limited to	Approved upto academic session
Siddheswar College of Pharm. Sciences, Balasore (Orissa)	60	1999-2000
Institute of Pharmacy & Technology, Salipur Distt., Cuttack-754 202 (Orissa)	60	2000-2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Member-Secretary, Orissa State Board of Pharmacy, Dte. of Drugs Control Admn., P.O. Sainik School, New Nandan Kanan Road, Bhubaneswar-751005, during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act."

Resolution No. 65/PCI/1211—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948) the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to in approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under :

Name of institutions in Punjab	For adms. limited to	Approved upto academic session
JRM Adarsh Bhartiya College of Pharmacy, Dalhousie Road, Bye-Pass, Pathankot-145 001 Distt. Gurdaspur (Pb.).	60	1999-2000
Adesh Polytechnic, Ferozpur Road, Muktsar-152026 (Pb.).	60	2000-2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Director, Technical Education and Industrial Training (Technical Education Wing) Punjab, Sector-36-A, Chandigarh during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act."

Resolution No. 65/PCI/1212.—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under:

Name of institution in Rajasthan	For adms. limited to	Approved upto academic session
Public Health Training Institute SMS Medical College, Jaipur-302 004 (Raj.)	60	1997-98

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Registrar, University of Rajasthan, Jaipur-302001, during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act."

Resolution No. 65/PCI/1213.—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by Institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under:

Name of institution in Tamil Nadu	For adms. limited to	Approved upto academic session
J.S.S. College of Pharmacy "Rocklands" Post Box No. 20, Ootacamund-643 001.	100	2000-2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Chairman, Board of Examiners for Diploma in Pharmacy C/o Dir. of Medical Education Chennai-600 005 (T.N.) during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act."

Resolution No. 65/PCI/1214.—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination or Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under;—

Name of institution in Sikkim	For adms. limited to	Approved upto academic session
Himalayan Pharmacy Institute Deorali Sikkim-737 102.	60	1999-2000

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948) the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Member -Secretary, Examining Authority for Diploma in Pharmacy, Five-ways, Deorali, Gangtok-737 102 Sikkim, during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act."



Resolution No. 65/PCI/1215-22 (1) In pursuance of the provisions of sub section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and a academic session as specified hereunder:—

Name of institution in U. P.	For adms. limited to	Approved upto academic session
Ramdevi Ramdayal Mahila Polytechnic (formerly Kanpur Mahila Polytechnic, Kanpur, (U. P.)	40	2000-2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Secretary, Board of Technical Education, U. P., Lucknow-226 019, during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act."

Resolution No. 65/ C/1216 — (1) In pursuance of the provisions of sub section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Degree in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under:—

Name of institution in A.P	For adms. limited to	Approved upto academic session
St. Peters's Institute of Pharmaceutical Sciences Vidyannagar, Hampikonda-506 001 (A.P.)	60	2001-2002

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree Examination in Pharmacy held by the Registrar, Kakatiya University, Warangal-506 009, during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act."

Resolution No. 65/PCI/1217 — (1) In pursuance of the provisions of sub section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Degree in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under:—

Name of institution in Assam	For adms. limited to	Approved upto academic session
Deptt. of Pharm. Sciences, Dibrugarh University, Dibrugarh (Assam)	20	1999-2000

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree Examination in Pharmacy held by the Registrar, Dibrugarh University, Dibrugarh-786 004 (Assam), during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act."

Resolution No. 65/PCI/1218— "(1) In pursuance of the provisions of sub section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Degree in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under:—

Name of Institution in Karnataka	For adms. limited to	Approved upto academic session
R.R. K. Samithi's College of Pharmacy, Nubd, Bidar-585 402 (Krn.)	40	From 1994-95 to 1997-98
Rajiv's Memorial Education Society's College of Pharmacy Balaji Nagar, Old Jewargi Road, Gulbarga 585 102-(Krn.)	40	From 1992-93 to 1999-2000

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree Examination in Pharmacy held by the Registrar, Gulbarga University, Inana Ganga, Gulbarga-585 106 Karnataka and Rajiv Gandhi University of Health Sciences, 4th "T" Block, Jayanagar, Bangalore-560 041 (Krn.), during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act."

Resolution No. 65/PCI/1219—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Degree in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified hereunder:—

Name of institution in Karnataka	For adms. limited to	Approved upto academic session
Bharathi Education Trust (Regd.) Bharathi College of Pharmacy, Bharathi Nagara (K. M. Doddi) = 571 422 Mandya Distt. (Krn.)	40	from 1993-94 to 1999-2000

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree Examination in Pharmacy held by the Registrar, University of Mysore, Mysore Viswavidyalaya, Karya, Soudha, Crawford Hall, Mysore-5 (Krn.) and Rajiv Gandhi University of Health Sciences, 4th “T,” Block, Jayanagar, Bangalore-560 041 (Krn.), during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act.”

Resolution No. 65/PCI/1220—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Degree in pharmacy in respect of number of students and academic session as specified hereunder:—

Name of institution in Kerala	For adms. limited to	Approved upto academic session
Mahatma Gandhi University's School of Medical Education at Cheruvandoor, Kottayam (Kerala).	50	from 1993-94 to 1998-99
Mahatma Gandhi University's School of Medical Education at Puthupally, Kottayam (Kerala).	50	from 1993-94 to 1998-99,

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree Examination in Pharmacy held by the Registrar, Mahatma Gandhi University, Kottayam (Kerala) during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as of Pharmacist under the said Act.”

Resolution No. 65/PCI/1221—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Degree in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified hereunder:—

Name of institution in M.S.	For adms. limited to	Approved upto acadmic session
Pravara Rural Education Society Pravaranagar, A/P Loni-713 736, Shrirampur, Distt. Ahmednagar (M.S.)	60	2000-2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree Examination in Pharmacy held by the Controller of Examinations, University of Pune, Ganeshkhind, Pune — 411 007 (MS), during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act.”

Resolution No. 65/PCI/1222—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Degree in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified hereunder:—

Name of institution in Rajasthan	For adms. limited to	Approved upto academic session
Birla Institute of Technology & Science Pilani-333 031 (Raj.).	30	2001-2002

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Council of India declares the Degree Examination in Pharmacy held by the Registrar, Birla Institute of Technology & Science, Pilani-333 031 (Raj.) during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act.”

Resolution No. 65/PCI/1223—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Degree in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified hereunder :—

Name of Institution in T.N.	For adms. limited to	Approved upto academic session
VEL's College of Pharmacy (formerly Jey J. College of Pharmacy), P.V.V. Road, Old Palavaram, Chennai-600 017.	60	1998-99

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree Examination in Pharmacy held by the Registrar, the Tamil Nadu Dr. MGR Medical University, P.B. No. 1200, No. 40, Anna Salai, Guindy, Chennai-600 032 (T.N.), during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act,”

Resolution No. 65/PCI/1224—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Degree in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under:—

Name of Institution in U.P.	For adms. limited to	Approved upto acadmic session
Dr. K.N. Modi Instt. of Pharmaceutical Education & Research, Modinagar (U.P.)	60	1999-2000

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree Examination in Pharmacy held by the Registrar, Ch. Charan Singh University, Meerut-230 001 (U.P.) during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act.”

ARCHNA MUDGAL, Officiating Secy.

